

प्रधानमंत्री मोदी सहित अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और नेतन्याहू ने माना साहस का लोहा

घायल होकर भी 174 जानें बचाने वाले भारतीय पायलट रिमत अब दुनिया के हीरो

तबूक, एजेंसी

फ्लाईदुबई की दुबई से तेल अवीव जा रही उड़ान एफजेड- 1073 में बुधवार को हवा में हुए हिंसक घटनाक्रम के बाद भारतीय पायलट कैप्टन रिमत मच्छर दुनिया भर में चर्चा में हैं। को-पायलट के हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद मच्छर ने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में मदद की, जिससे यात्रियों और क्यू को अंदर पहुंचकर हमलावर को काबू करने का मौका मिला। विमान में 174 लोग सवार थे। भारतीय दूतावास के मुताबिक मच्छर तबूक के अस्पताल में इलाज करा रहे हैं और उनकी हालत स्थिर है।

घटना के दौरान मच्छर को-पायलट ने कॉकपिट के भीतर हमला किया। रिपोर्टों के मुताबिक विमान अचानक तेजी से नीचे जाने लगा और आपात संकेत प्रसारित किए गए। गंभीर रूप से घायल मच्छर कॉकपिट के फर्श पर खून से लथपथ थे, लेकिन उन्होंने अंदर से कॉकपिट का दरवाजा खोलने की प्रक्रिया पूरी



रिमत के भाई भी फ्लाईदुबई के पायलट

संयोग ही कहा जाएगा कि कैप्टन रिमत मच्छर के भाई भी उसी फ्लाईदुबई में पायलट हैं, जिसमें वो खुद हैं। कैप्टन मच्छर मुंबई के घाटकोपर में पले-बढ़े हैं और दिल्ली से सटे मानेसर में विमान उड़ाने की विशेष ट्रेनिंग ली है, लेकिन उनका पुरतैनी वास्ता गुजरात से जुड़ा बताया जा रहा है। उनका सरनेम मच्छर गुजराती मूल का है, जो खासकर कच्छ क्षेत्र में प्रचलित है और लोहाना गुजराती समुदाय के लोग रखते हैं। यही वजह है कि हवा में उनकी बहादुरी के किस्से गुजराती मीडिया में खूब छापे हुए हैं और गुजरात के लोग उन्हें 'गुजराती हीरो' की तरह देख रहे हैं।

कॉकपिट की कुल्हाड़ी बनी सवाल

घटना में इस्तेमाल हथियार को लेकर शुरुआती रिपोर्टों में चाकू का उल्लेख हुआ था। आज सामने आई कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया है कि हमले में विमान के कॉकपिट में रखी क्रैश एक्स यानी आपातकालीन कुल्हाड़ी का इस्तेमाल हो सकता है। हालांकि अन्य रिपोर्टों में चाकू का भी जिक्र है, इसलिए हथियार को लेकर अंतिम पुष्टि जांच के बाद ही होगी। विमान में क्रैश एक्स आपात स्थिति में आग से निपटने, पैराल खोलने या दुर्घटना की स्थिति में रास्ता बनाने के लिए रखी जाती है।

उनके परिवार और सऊदी अधिकारियों के संपर्क में है तथा हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही है। रिपोर्टों के अनुसार मच्छर को घटना के बाद अस्पताल ले जाया गया था और उनका उपचार किया गया। मच्छर मुंबई से हैं और जून 2022 से फ्लाईदुबई में बोइंग 737 बेड़े के कप्तान के रूप में काम कर रहे हैं। इससे पहले वह करीब 11 साल स्पाइसजेट में रहे थे।

दूसरों की जान बचाने के लिए असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैप्टन मच्छर को 'हीरो' बताते हुए कहा कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद उन्होंने दूसरों की जान बचाने के लिए असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प दिखाया। मोदी ने कहा कि उनके साहस से बड़ी त्रासदी टल गई और भारत को उन पर गर्व है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेजार्मिन नेतन्याहू ने भी मच्छर की बहादुरी की प्रशंसा की और कहा कि उन्होंने 174 लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी मच्छर को हीरो बताया और उनकी स्थिति पर चिंता जताई।

न्यूज विंडो

हेलीकॉप्टर क्रैश में जिम्बाब्वे के बिजनेसमैन और पत्नी की मौत

हरारे। जिम्बाब्वे के ग्रामीण इलाके में एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें सवार सभी 6 लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, इस हादसे में कोई भी जीवित नहीं बचा है। मृतकों में जिम्बाब्वे के जाने-माने उद्योगपति विकनेल चिवायो और उनकी पत्नी भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, यह हादसा राजधानी हरारे से दक्षिण-पूर्व में स्थित मारोनडेरा जिले में हुआ। सरकारी प्रवक्ता निक मंगवाना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जानकारी दी कि हेलीकॉप्टर में एक हार्ड-प्रोटीफाइल व्यवसायी और दो क्रू मेंबर सवार थे।हेलीकॉप्टर में आग लग गई थी, जिससे शव बुरी तरह झुलस गए हैं।

फिर बड़ी कीमतें, 70 रुपए महंगा हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन से ठीक पहले आज कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में उछाल दर्ज की गई है। तेल-गैस का कारोबार करने वाली कंपनियों ने दाम 60 से 70 रुपये से अधिक बढ़ाए हैं। महंगे हुए 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर की नई कीमतें अलग-अलग शहरों में टैक्स के मुताबिक भिन्न रहती हैं। ऐसे में आज हुई कीमतों में बढ़ोतरी के बाद भी नई दरें अलग-अलग होंगी। घरेलू गैस के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपये की वृद्धि हुई है और नई कीमत 2,810 रुपये हो गई है। त्योहारी सीजन में वाणिज्यिक सिलेंडरों की मांग बढ़ी हुई है।



सरगुजा जिले में करंट लगने से हाथी के बच्चे की मौत

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के उदयपुर वन परिक्षेत्र में करंट वाले तार की चपेट में आने से एक हाथी के बच्चे की मौत हो गई। कई दिनों से 27 हाथियों का दल उदयपुर क्षेत्र में विचरण कर रहा है। पहले 15 हाथी थे। कोरिया जिले से 12 हाथियों का एक और दल आ गया है। कुल 27 हाथी लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाथियों से फसल बचाने के लिए क्षेत्र में किसानों ने खेतों के चारों ओर एक किमी से अधिक क्षेत्र में झटका तार लगा रखे हैं। बुधवार रात दल के साथ चल रहा हाथी का बच्चा उसी झटका तार में उलझ गया। सूंड और पैर में तार फंसने के कारण वह लगातार करंट के संपर्क में रहा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

आज का कार्टून



100 साल का हुआ UPSC शताब्दी समारोह में बोले पीएम मोदी

अफसरों के चयन की दो ही कसौटी नेशन फर्स्ट और सिटीजन फर्स्ट

■ ऐतिहासिक फैसलों पर आधारित किताब का लोकार्पण ■ शताब्दी स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) से जिन लोगों की भर्ती हो रही है वे विकसित भारत में अहम भूमिका निभाएंगे। हमें दो कसौटियों को हमेशा याद रखना है। पहली 'नेशन फर्स्ट' और दूसरी 'सिटीजन फर्स्ट'। इन्हीं पर हर सलेक्शन को कसा जाना है। जब इस भाव से केडिडेट को परखा जाएगा तो राष्ट्र रक्षा की प्राप्ति उतनी ही सहज और आसान हो जाएगी। पीएम आयोग के 100 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में भारत मंडपम में बोल रहे थे। उन्होंने आयोग से जुड़े 100 ऐतिहासिक फैसलों पर आधारित किताब का लोकार्पण किया। साथ ही शताब्दी स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट भी जारी की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के लिए जिस तरह की गवर्नेंस देश को चाहिए, उसका माध्यम यूपीएससी है। 100 साल में इसने सिविल सेवाओं के लिए निष्पक्ष और योग्यता आधारित चयन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज जिन युवाओं की भर्ती हो रही है वो विकसित भारत के निर्माण में भूमिका निभाएंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए हमें दो कसौटियों का हमेशा ध्यान रखना है। ये दोनों देश और इसके नागरिकों के प्रति समर्पण की हैं। उन्होंने कहा - कभी माना जाता था कि सरकार ही माई-बाप है, लेकिन आज हमारा मंत्र है नागरिक देवोभवः। देश का नागरिक हमारे लिए किसी देव से कम नहीं है। हमारे लिए नागरिक की सेवा सर्वोपरि है।



यूपीएससी की यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करते पीएम।

इसलिए आज 21वीं सदी का भारत नई कार्य संस्कृति से आगे बढ़ रहा है। इसका मूल सिद्धांत है- प्रो पीपल, प्रो एक्टिव और गुड गवर्नेंस। प्रो पीपल यानी नागरिक के हितों को सर्वोपरी रखते हुए काम करना। प्रो एक्टिव यानी जब समस्या आए तब एक्शन के बजाय समस्या को पहले से पहचान कर उसका समाधान तैयार हो। गुड गवर्नेंस यानी सरकार का अभाव, दवाब और अनावश्यक प्रभाव भी न हो। आज 21वीं सदी का भारत नई कार्य संस्कृति के साथ आगे बढ़ रहा है। बहुत तेजी से युवा और तकनीक बदल रही है। इसके बाद आने वाले समय में नई तरह की चुनौती समाज के सामने आ रही है। AI को लेकर समाज में चर्चा छिड़ी हुई

अब तक कुल 4 महिला चेयरपर्सन

पीएम मोदी ने कहा कि आप सभी को हमेशा याद रखना है कि आपका काम युवा शक्ति के भविष्य से जुड़ा हुआ है। युवा शक्ति से राष्ट्र शक्ति के मिशन का आप एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जब UPSC का गठन हुआ था तब बड़े शहरों के बड़े घर के बच्चों को इसका अवसर मिलता था। आज गांव और कस्बों के युवा भी इसमें पहुंच रहे हैं, हमारी बेटियों की भागीदारी भी इसमें बढ़ रही है. आयोग के पूरे इतिहास में 4 महिला चेयरपर्सन रही हैं और उनमें से 3 चेयरपर्सन 2014 के बाद बनी हैं।

है। ऐसे में हमारे सिविल सर्वेंट भी अलग तरह की परिस्थितियों में काम करेंगे। कार्यक्रम में देशभर के राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्ष और सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षाविद और UPSC के अधिकारी शामिल हुए।

न्यूज ब्रीफ

अहमदाबाद ब्लास्ट के दोषी बरेलवी की फांसी पर रोक

अहमदाबाद। 2008 सीरियल ब्लास्ट मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा पाए दोषी अहमद बावा अब्बु अबूबकर बरेलवी की याचिका पर नोटिस जारी किया है। इसी के साथ उसकी फांसी की सजा की प्रक्रिया पर रोक लगा दी गई है। बरेलवी ने गुजरात हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है जिसमें उसके दोषी होने और मौत की सजा को बरकरार रखा गया था। अब सुप्रीम कोर्ट इस याचिका में उठाए गए कानूनी आधारों पर आगे सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान दोषी की ओर से पेश वकील ने कहा कि उसे पूरी तरह साजिश के आधार पर दोषी ठहराया गया है। अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट का मामला देश के चर्चित आतंकी मामलों में शामिल रहा है।

पाक का अफगानिस्तान पर हमला, 22 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी विवाद बढ़ता ही जा रहा है। इसी क्रम में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में आज एक बड़ा हवाई हमला किया। इस हमले में 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। पाकिस्तान सरकार ने मारे गए सभी लोगों आतंकी बताया है। हेलमंद प्रांत के सूचना और संस्कृति विभाग के प्रमुख, मौलाना शेर मोहम्मद वहदत ने समाचार एजेंसी रॉयटर्स को बताया कि पाकिस्तानी सैन्य शासन की तरफ से ये एयरस्ट्राइक हेलमंद के गरमिस् जिले में दो रिहायशी मकानों को निशाना बनाकर की गई।

मेट्रो एंकर

आज से बदल गए बैंकिंग, एनपीएस और रसोई गैस के नियम, 15 से यूपीआई पर चार्ज

एटीएम से फ्री निकासी घटी, गैस सब्सिडी के लिए आधार बायोमेट्रिक जरूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अक्टूबर की शुरुआत के साथ बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, एलपीजी और पेंशन से जुड़े कई नियम बदल गए हैं। इनका असर आम उपभोक्ता से लेकर कारोबारियों और बड़े निवेशकों तक पर पड़ेगा। भारतीय स्टेट बैंक के कुछ वेतन खाताधारकों के लिए दूसरे बैंकों के एटीएम से मुफ्त लेनदेन की सीमा घट गई है। बड़ी एफडी पर ब्याज दर बताने के नियम बदले हैं। एलपीजी सब्सिडी के लिए आधार का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण जरूरी किया गया है। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के शुल्क ढांचे में भी बदलाव हुआ है। वहीं 15 अक्टूबर से 2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा व्यापारी यूपीआई भुगतानों पर एमडीआर लागू होगा। दूसरे एटीएम से सिर्फ 5 लेनदेन: भारतीय स्टेट बैंक ने कुछ वेतन पैकेज खातों के ग्राहकों के लिए दूसरे बैंकों के एटीएम से मुफ्त लेनदेन की सीमा 1 अक्टूबर से घटा दी है। अब ऐसे खातों में दूसरे बैंकों

अब भी करा सकते हैं प्रमाणीकरण

सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर के लिए बायोमेट्रिक आधार प्रमाणीकरण जरूरी किया गया है। जिन उपभोक्ताओं ने पहले ही यह प्रमाणीकरण पूरा कर लिया है, उन्हें दोबारा प्रक्रिया करने की जरूरत नहीं होगी। प्रमाणीकरण गैस एजेंसी या संबंधित तेल कंपनी के माध्यम से किया जा सकता है। जिन पात्र उपभोक्ताओं ने इसे पूरा नहीं किया है, उनके लिए सब्सिडी वाले मूल्य पर रिफिल की सुविधा प्रभावित हो सकती है।

के एटीएम और एडीबीडब्ल्यूएम पर हर महीने पांच मुफ्त लेनदेन मिलेंगे, जबकि पहले सीमा 10 थी। इसमें वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों लेनदेन शामिल हैं। बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट खाते में महीने में चार नकद निकासी मुफ्त रहेंगी। इसके बाद प्रत्येक लेनदेन पर 15 रुपए और जीएसटी शुल्क लगेगा। डिजिटल लेनदेन पर यह सीमा लागू नहीं होगी।



बड़ी एफडी पर नया नियम लागू

आज से 3 करोड़ रुपए या उससे अधिक की बड़ी यानी बल्क एफडी पर ब्याज दरों की जानकारी देने के नियम बदल गए हैं। बैंकों को ऐसी जमा पर लागू ब्याज दर पहले से बतानी होगी और हर कार्यदिवस सुबह करीब 10 बजे वेबसाइट पर दर प्रकाशित

एनपीएस शुल्क में बदलाव

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली यानी एनपीएस में भी पॉइंट ऑफ प्रेजेंट के जरिए जुड़ने वाले ग्राहकों के शुल्क ढांचे में बदलाव हुआ है। नए ग्राहक के प्रत्येक स्थायी सेवानिवृत्ति खाता नंबर यानी पीआरएन के लिए 200 रुपए का एकमुश्त ऑनबोर्डिंग शुल्क निर्धारित किया गया है। इसके अलावा एनपीएस और एनपीएस लाइट से जुड़ी सेवाओं के शुल्क का नया ढांचा लागू किया गया है। इसका असर उन लोगों पर होगा जो पॉइंट ऑफ प्रेजेंट के माध्यम से एनपीएस में शामिल होते हैं।

करनी होगी। समान शतों वाली बड़ी जमाओं पर सामान्य तौर पर समान ब्याज दर रखने का प्रावधान है, हालांकि कुछ नियामकीय स्थितियों में अंतर संभव है। यह बदलाव मुख्य रूप से बड़ी रकम जमा करने वाले ग्राहकों के लिए महत्वपूर्ण है।

नगर निगम सुस्त, रिहायशी क्षेत्रों में धड़ल्ले से चल रही व्यावसायिक गतिविधियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रिहायशी इलाकों में धड़ल्ले से चल रही व्यावसायिक गतिविधियों और भवन नियमों के उल्लंघन पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देश के बावजूद नगर निगम की कार्रवाई अब तक जमीन पर दिखाई नहीं दे रही है। 22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि मौजूदा मास्टर प्लान और भवन नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाए। आदेश को करीब एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन निगम ने अब तक कोई बड़ा अभियान शुरू नहीं किया है।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश बेअसर: सबसे गंभीर स्थिति उन प्रतिष्ठानों की है, जिन्हें निगम ने स्वेच्छा से बंद कराने के बाद पंचनामा तैयार किया था। इनमें से भी बड़ी संख्या में प्रतिष्ठान अब दोबारा खुलने लगे हैं। यानी जिन दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बंद होने का निगम ने बाकायदा दस्तावेज तैयार किया, वे ही फिर से संचालित हो रहे हैं।



भोपाल। भोपाल के मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर अब तक 185 से ज्यादा आपत्तियां-सुझाव आ चुके हैं। सबसे ज्यादा मांग कृषि और ग्रीन बेल्ट की जमीन को आवासीय करने की है। बैरागढ़कलां सहित आसपास के गांवों में बसाहट वाली जमीन प्रतिबंधित जोन में रखने पर आपत्ति है। वहीं, लहारपुर में 30 साल से खेती वाली 643 एकड़ जमीन को ड्रव क्षेत्र से बाहर करने की मांग है। जो आपत्तियां मिली हैं, उनमें 141 ऑनलाइन, 35 ई-मेल से और 11 ऑफलाइन शामिल हैं। अलाइनमेंट, 18 मीटर चौड़ी सड़कों और बाघ मूवमेंट वाले क्षेत्रों से प्रस्तावित सड़कें हटाने को लेकर भी आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। mptownplan.gov.in/Scheme .aspx पर ऑफलाइन आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती है। वहीं, ई-मेल से bhopal@mp.gov.in पर अपनी आपत्ति या सुझाव भेज सकते हैं। लिखित आपत्ति दर्ज कराना है तो आप संयुक्त संचालक, टीएंडसीपी कार्यालय भोपाल में जा सकते हैं। आपत्तियां दर्ज कराने की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर है। नया प्रारूप जारी हुए 5 दिन बीत चुके हैं। 26 सितंबर को ड्राफ्ट जारी हुआ था।

एनजीटी ने एक्शन रिपोर्ट बनाने 5 दस्यीय जांच समिति बनाई

भोपाल। बड़े तालाब के कैचमेंट और एफटीएल में अवैध निर्माण, भराव और कर्मशैल गतिविधियों की शिकायत पर एनजीटी ने 5 सदस्यीय संयुक्त जांच समिति बनाई है। समिति मौके की जांच कर 6 हफ्ते में तथ्यात्मक और एक्शन टेकन रिपोर्ट देगी। अगली सुनवाई 10 दिसंबर 2026 को होगी। एनजीटी के जस्टिस शेओ कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य सुधीर कुमार चतुर्वेदी की पीठ ने समिति में सीपीसीबी, एमपीसीसीबी, भोपाल कलेक्टर, स्टेट वेटलैंड अथॉरिटी और टीएंडसीपी को शामिल किया है। शिकायतकर्ता महेश कुमार के अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने बताया कि हजुर के ग्राम भौरीमें बड़े तालाब के एफटीएल से सटे क्षेत्र में मिट्टी-नेत का भराव कर जमीन समतल की गई और पक्की बाउंड्रीवाल बनाई गई है। यहां कर्मशैल व्हीलक स्टॉक्यार्ड बनाकर वाहन खड़े किए जा रहे हैं। बताया गया कि वाहनों के तेल-ग्रीस के कारण तालाब के प्रदूषित होने और प्राकृतिक जल निकासी बाधित होने की आशंका है। एनजीटी ने स्पष्ट किया कि केवल जमीन का मालिकाना हक या कच्चा प्रतिबंधित गतिविधि की अनुमति नहीं देता।

लालच देकर खाता खुलवाया पासबुक-एटीएम और सिम ले गए

भोपाल। बागसेबनिया इलाके में 5 हजार रुपए देने का लालच देकर एक मजदूर का बैंक खाता खुलवाकर उसकी पासबुक, एटीएम और मोबाइल सिम लेने का मामला सामने आया है। पीड़ित को आशंका है कि उसके खाते का इस्तेमाल किसी गलत काम में किया जा सकता है। मामले में पुलिस ने शिकायत लेकर जांच शुरू कर दी है। पिपलिया पेंडे खां निवासी 42 वर्षीय मजदूर की 10 सितंबर को इमला मंदिर के पास आकाश चौबे से पहचान हुई। आकाश ने खाता खुलवाने के बदले 5,000 देने का लालच दिया। आकाश और मोहित उसे पीएनबी की एम्स शाखा ले गए। आधार-पैन से खाता खुलवाकर पासबुक रख ली और एटीएम फॉर्म भरवाया। 27 सितंबर को आकाश एटीएम आने की बात कहकर उसे ले गया और 3-4 दिन के लिए जियो सिम मांगी। 29 सितंबर को सिम लौटाकर 500 दिए, लेकिन पासबुक-एटीएम नहीं लौटाए। पीड़ित ने बागसेबनिया थाने में शिकायत दर्ज कराई।

ई-6 अरेरा कॉलोनी स्थित पार्क में वारदात, आरोपी फरार

भोपाल। हबीबगंज के ई-6 अरेरा कॉलोनी स्थित पार्क में एक युवक ने मंगलवार शाम अपनी पत्नी पर चाकू से वार कर दिए। वह गंभीर रूप से घायल है। पति ने पत्नी से सागर जाने के लिए रुपए मांगे थे। वह देने में आनाकानी कर रही थी। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। हबीबगंज पुलिस के मुताबिक 30 वर्षीय रचना अहिरवार ईश्वर नगर में किराए का कमरा लेकर अपने बच्चों के साथ रहती है। पास में ही उसका मायका भी है। उसका पति सुनील अहिरवार बंडा, सागर का रहने वाला है। वह सागर में मेहनत मजदूरी करता है। रचना भोपाल में अरेरा कॉलोनी स्थित कई बंगलों में काम करती है। सुनील भोपाल आया था और दो दिन पहले पत्नी रचना को एक घर से वेहन मिला था। सुनील ने सागर जाने के लिए रुपए मांगे, रचना के मना करने पर उसने हमला कर दिया ।



एम्स परिसर के बाहर प्रदर्शन, कर्मचारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट एम्स में देर रात 260 कर्मचारियों की छंटनी, बिना कारण बताए लिस्ट जारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

एम्स भोपाल में बुधवार देर रात आउटसोर्स एजेंसी ने हाउसकीपिंग और वाई ब्याय समेत करीब 260 कर्मचारियों को काम से हटा दिया। रात करीब नौ बजे कर्मचारियों की सूची जारी होने के बाद प्रभावित कर्मचारी विरोध जताने के लिए एम्स के बाहर पहुंच गए। एम्स में आउटसोर्स के तहत करीब 800 कर्मचारी विभिन्न कार्यों में सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों के अनुसार, सूची जारी होने की जानकारी अचानक मिली। उनका कहना है कि लंबे समय से सेवाएं देने वाले कर्मचारियों के सामने अब रोजगार को लेकर अनिश्चितता पैदा हो गई है। कर्मचारियों ने एजेंसी से सूची तैयार करने का आधार और उन्हें हटाए जाने का कारण स्पष्ट करने की मांग की है। उनका कहना है कि निर्णय से पहले कर्मचारियों से बातचीत की जानी चाहिए थी।

खाद्य सुरक्षा टीम का लापरवाह रवैया ‘एक्सपायरी डेट’ बिना बेच रहे मिठाइयां, कीड़े निकलने की मिल रही शिकायतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में मिठाई विक्रेताओं और खाद्य सुरक्षा विभाग की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के सख्त निर्देशों के बावजूद शहर की मिठाई दुकानों पर खुली मिठाइयों के साथ उनकी ‘मैयूफैक्चरिंग डेट’ और ‘बेस्ट बिफोर’ (उपयोग की अंतिम तिथि) नहीं लिखी जा रही है। भोपाल की करीब 70 दुकानों की यह कड़वी हकीकत है। यही कारण है कि चॉकलेट मिठाई में कीड़े-इल्ली तक निकल रहे हैं।

अक्टूबर 2020 से नियम तय है कि मिठाई के सामने दर के साथ उसकी मैयूफैक्चरिंग डेट व एक्सपायरी डेट अवश्य लिखे, ताकि उपभोक्ताओं को पता हो कि वह जो मिठाई ले रहा है वह कितनी पुरानी है। हैरानी ये कि खाद्य सुरक्षा की टीम बीते दो माह में 70 मिठाई दुकानों पर पहुंची, लेकिन एक्सपायरी पर कोई सवाल जवाब नहीं किया। ये नापतौल व खाद्य औषधी दोनों ही विभागों की जिम्मेदारी है। ऐसे में जाहिर है कि खाद्य विभाग केवल सैपलिंग की रस्म अदायगी कर छोड़ देता है, जबकि रोज बिक रही बासी और पुरानी मिठाइयों पर किसी का ध्यान नहीं है। रेस्ट ऑफ छेना मंदाकिनी स्क्वायर कोलार रोड पर चॉकलेट मिठाई के पैकेट में कीड़े- इल्लियां निकलीं। खाद्य टीम ने शिकायत के आधार पर जांच की तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। मिठाई के टुकड़ों में इल्ली नजर आई। इसका वीडियो भी बनाया गया। मनुओं को नियमानुसार सीलबंद कर खाद्य विश्लेषक, सक्षम खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला को जांच व विश्लेषण के लिए भेजा है।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रतलाम जिले के रहने वाले शिक्षककर्मী तेजू डंडोरे, ने नियुक्ति सहित अपनी मांगों के समर्थन में वर्ष 1998 से जूते-चपल का त्याग कर रखा है। उन्होंने संकल्प लिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक वे जूते-चपल धारण नहीं करेंगे। शिक्षक के करीब 30 वर्षों के त्याग और संघर्ष के सम्मान में शिक्षक संयुक्त मोर्चा द्वारा उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर धरना स्थल पर उपस्थित शिक्षक साथियों ने उनके संघर्ष और संकल्प की सराहना की।

उज्जैन से पहुंचे 3 हजार शिक्षक: मुख्यमंत्री के गृह क्षेत्र से आए शिक्षक साथियों को संबोधित करते हुए संयुक्त मोर्चा के सदस्य राकेश पटेल ने

मेट्रो एंकर नए मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में प्रावधान, भोपाल की सड़कों को जाम से मिलेगी मुक्ति

मेट्रो स्टेशनों के पास 500 मीटर में बनेंगे बहुमंजिला दफतर और घर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मेट्रो के आसपास के इलाके को प्रदेश सरकार आने वाले सालों में पूरी तरह नए अंदाज में विकसित करने की योजना बना रही है। मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट में मेट्रो लाइन के दोनों ओर 500-500 मीटर क्षेत्र को विशेष विकास क्षेत्र के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है। यहां घर, दुकान, बाजार, दफतर और दूसरी जरूरी सुविधाएं आसपास बनाने की योजना है। यानी मेट्रो स्टेशन के आसपास ऐसी व्यवस्था विकसित करने का प्रस्ताव है, जहां लोगों को रोजमर्रा के काम के लिए ज्यादा दूर नहीं जाना पड़े।

सीलिंग पर कोर्ट में पहुंची शिकायतें

22 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान भोपाल के रहवासियों की शिकायतों का हवाला दिया गया था। इनमें बताया गया कि कुछ प्रतिष्ठानों को दिन में सील किया गया, लेकिन शाम को वे फिर खोल दिए जाते हैं। कुछ मामलों में सीलिंग के कुछ घंटे या दिन बाद बिना किसी नए घटनाक्रम, शो-कॉज के जवाब या सक्षम प्राधिकरण के निर्णय के परिसर दोबारा खोले जाने की बात भी सामने आई। कोर्ट ने इन शिकायतों को रिकार्ड पर लेते हुए स्पष्ट किया कि सीलिंग के निर्देशों का सख्ती से पालन होना चाहिए। अधिकारियों को बिना भेदभाव कार्रवाई करने और ‘पिक एंड चूज’ से बचने के निर्देश भी दिए गए। इसके बावजूद निगम की ओर से अब तक ऐसा अभियान नजर नहीं आया, जिससे लगे कि इन निर्देशों को लेकर गंभीरता से कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

मास्टर प्लान-2047 का ड्राफ्ट जारी, कार्रवाई नहीं

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के बाद प्रदेश सरकार मास्टर प्लान-2047 का ड्राफ्ट भी जारी कर चुकी है। हालांकि, निगम प्रशासन को कार्रवाई मौजूदा नियमों के अनुसार ही कार्रवाई करनी है। इसके बावजूद रिहायशी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों की जांच, चिन्हांकन और कार्रवाई को लेकर निगम की सुस्ती स्वाल खड़े कर रही है।

नगर निगम द्वारा सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है।

- भुवन गुप्ता, उपायुक्त, नगर निगम।

600 करोड़ रु. खर्च कर मप्र के 10 शहरों में लगेंगे एआई कैमरे



भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में सेफ सिटी अभियान के तहत सड़कों और सार्वजनिक स्थानों की निगरानी के लिए अब चरणबद्ध तरीके से एआई आधारित कैमरे लगाने की तैयारी है। पहले चरण में 10 शहरों में करीब 25 हजार एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इस पर लगभग 600 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पुलिस मुख्यालय जल्द ही इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजेगा। पूरी योजना के तहत आगे चलकर प्रदेश में सवा लाख कैमरे लगाए जाने हैं। जिन 10 शहरों में कैमरे लगाए जाने हैं, उनमें स्मार्ट सिटी वाले शहर इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर और सतना भी सम्मिलित हैं। इस योजना में कैमरों की संख्या बढ़ाने के साथ निगरानी की तकनीक को भी उन्नत किया जाएगा। एआई आधारित कैमरे सड़क परिस्थितियों और तय मानकों वाली गतिविधियों की पहचान कर संबंधित कंट्रोल रूम को अलर्ट कर सकेंगे। इससे पुलिस को घटना की जानकारी मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई में मदद मिलेगी। कैमरों से मिलने वाले फुटेज का उपयोग अपराध की रोकथाम के साथ घटना के बाद जांच में भी किया जा सकेगा।

योजना की पृष्ठभूमि और बजट की स्थिति

जुलाई में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संसीक्षा बैठक में सेफ सिटी कार्यक्रम के तहत प्रदेश में एक लाख कैमरे लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई थी। उस समय यह भी सामने आया था कि सेफ सिटी सहित कई प्रस्ताव बजट के अभाव में अटकें हुए हैं। अब इस योजना को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने की तैयारी है।

भानपुर के विशाल मेगा मार्ट में पकड़ी बिजली चोरी, 65 लाख का बिल दिया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भानपुर के 80 फीट रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट में बिजली चोरी का मामला सामने आया है। यहां मीटर के बजाय ट्रांसफॉर्मर से सीधे एलटी आर्मर्ड केबल के जरिए बिजली कंट्रोल पैनल तक पहुंचाई जा रही थी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की जांच में 134.15 किलोवॉट का लोड मिला। कंपनी ने 65,76,568 का बिजली चोरी का आकलन बिल बनाया है।

सिटी सर्किल के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर प्रदीप सिंह चौहान ने बताया कि करोड़ और भानपुर जोन की संयुक्त टीम ने कनेक्शन

अश्लील वीडियो बनाकर धमकी दे दुष्कर्म किया, 10 साल की सजा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल जिला न्यायालय ने महिला से दुष्कर्म के दोषी चंद्रकुमार यादव को 10 साल की सजा सुनाई। फैसला विशेष न्यायाधीश (ओएडब्ल्यू) सुरेखा मिश्रा ने सुनाया। शासन की ओर से अपर लोक अभियोजक संतोष शर्मा ने पैरवी की। अशोका गार्डन निवासी चंद्रकुमार पीड़िता के पति का दोस्त था और घर आता-जाता था। दिसंबर 2023 के पहले सप्ताह में उसने पति व बच्चों को जान से मारने की धमकी देकर वॉट्सएप वीडियो कॉल से महिला के अश्लील फोटो-वीडियो बनाए। फिर घर की अकेली महिला से दुष्कर्म किया। शिकायत की बात कहने पर फोटो-वीडियो उसके पति के वॉट्सएप पर भेज दिए। 23 दिसंबर को जीआरपी थाने में केस दर्ज हुआ। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर एफएसएल भेजा। कोर्ट ने पेनड्राइव में मिले फोटो, वैज्ञानिक साक्ष्य और डीएनए रिपोर्ट को महत्वपूर्ण आधार बनाया।

बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और संतुलन की चुनौती

भोपाल में मेट्रो और विकास के संबंध में टाउन प्लानर शीतल शर्मा का कहना है कि भोपाल विकास योजना-2047 में मेट्रो के आसपास ऊंची इमारतें और घर-दुकान-दफतर को साथ विकसित करने का प्रस्ताव तो अच्छा है, लेकिन भोपाल जैसे टिप्पर-2 शहर में इसे लागू करना बुनियादी ढांचागत रूप से चुनौतीपूर्ण होगा। व्यावसायिक रूप से सीमित और ऐतिहासिक रूप से जनसंख्या अनुमानों को न छू पाने वाले इस शहर में, कोर क्षेत्रों में अंधाधुंध एफएआर (प्लोर परिया रेशियो) बढ़ाना इसके प्राकृतिक नालों, जल निकासी और मौजूदा सीवेज-पार्किंग व्यवस्था को पूरी तरह जाम कर सकता है। इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर इंडिया के सचिव सुमित गोदी

ने कहा कि मेट्रो के आसपास कुछ पुराने स्वीकृत भूखंडों को आपस में जोड़कर बड़ा भूखंड बनाने की अनुमति का भी प्रस्ताव है। खासकर 12 मीटर या इससे ज्यादा चौड़ी सड़क से लगे भूखंडों पर मिश्रित उपयोग की अनुमति दी जा सकती है। इसका मतलब है कि ऐसे स्थानों पर एक ही परिसर में रहने के साथ दुकान या कार्यालय भी बनाया जा सकता है। लेकिन ज्यादा निर्माण के साथ सड़क और दूसरी सुविधाओं पर दबाव न बढ़े, इसके लिए भी योजना बनाने का प्रस्ताव है। ट्राजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट से मेट्रो स्टेशन के आसपास बड़ी-बड़ी इमारतें बन सकेंगी। इससे लोगों को छोटी दूरी के लिए निजी वाहन का इस्तेमाल नहीं करना पड़ेगा।

गंभीर नदी के पुर्नउद्धार के लिए 500 करोड़ की डीपीआर केंद्र सरकार को भेजने की तैयारी

एक ही जानापाव से निकलीं दो नदियां, गंभीर हुई लबालब तो चंबल में नहीं पानी

इंदौर, दोपहर मेट्रो

महू के समीप स्थित जानापाव पहाड़ी से निकलने वाली नदियों में इस बार बारिश के बाद अलग-अलग तस्वीरें देखने को मिल रही हैं। इंदौर जिले में महू तहसील में सबसे कम 437 मिलीमीटर बारिश दर्ज होने के बावजूद जानापाव से निकलने वाली गंभीर नदी में अब भी पानी कल-कल बह रहा है, जबकि दूसरी ओर चंबल नदी का अधिकांश हिस्सा सूखा नजर आ रहा है। प्रशासन इसे नदी पुनर्जीवन के लिए किए गए कार्यों का परिणाम मान रहा है।

जिला प्रशासन ने मार्च से मई के बीच जनसहयोग से गंभीर नदी के करीब पांच किलोमीटर हिस्से में पुनर्जीवन अभियान चलाया। इस दौरान नदी से गाद निकालने के साथ कई हाइड्रो-जियोलॉजिकल स्ट्रक्चर तैयार किए

गए। कंटूर ट्रेचिंग, बोल्टर चेक और रिचार्ज के लिए डाइक जैसी संरचनाएं बनाई गईं। प्रशासन के अनुसार इन कार्यों का असर अब दिखाई दे रहा है। कम बारिश के बावजूद गंभीर नदी में पानी बना हुआ है और आसपास के जलस्रोतों में भी इसका प्रभाव नजर आ रहा है।

महू जनपद पंचायत के सीईओ गिरिराज दुबे के मुताबिक जानापाव से बेरछा, कैलोद और महगांव तक गंभीर नदी के किनारे बने कई तालाबों में पानी है। कुओं में भी जलस्तर बेहतर हुआ है। नदी में पानी रहने से भूजल रिचार्ज होने का फायदा आसपास के किसानों को मिल रहा है। प्रशासन का अनुमान है कि करीब पांच किलोमीटर के दायरे में किसानों को अगले तीन से चार महीने तक सिंचाई के लिए पानी की समस्या कम रहेगी। खेतों में नमी भी बनी हुई है।



अब 70 किलोमीटर क्षेत्र के पुनरुद्धार की तैयारी

गंभीर नदी का महू क्षेत्र में करीब 75 किलोमीटर का कैचमेंट एरिया है। इसमें पांच किलोमीटर हिस्से पर काम पूरा होने के बाद अब शेष 70 किलोमीटर के पुनरुद्धार की तैयारी की जा रही है। इसके लिए करीब 500 करोड़ रुपये की डीपीआर तैयार की गई है, जिसे राज्य शासन के माध्यम से केंद्रीय जल शक्ति मिशन को भेजने की तैयारी है। प्रस्तावित परियोजना में करीब 20 किलोमीटर नदी क्षेत्र से गाद निकालने, 10 से 15 किलोमीटर हिस्से में अतिक्रमण

हटाने और नदी के दोनों ओर करीब 25 किलोमीटर क्षेत्र में पौधारोपण की योजना है। बेरछा तालाब से जानापाव पहाड़ी तक करीब एक लाख पौधे लगाने और एक लाख कंटूर ट्रेच बनाने का लक्ष्य भी प्रस्तावित है। गंभीर नदी का पानी यशवंत सागर तक पहुंचता है और वहां से क्षिप्रा नदी को भी पानी मिलता है। आगे चलकर क्षिप्रा का पानी चंबल में मिलता है। ऐसे में गंभीर नदी के व्यापक पुनर्जीवन से इंदौर और उज्जैन के जलस्रोतों पर भी असर पड़ने की उम्मीद है।

किसानों के लिए सीएम मोहन यादव ने अफसरों को दिए निर्देश

हर खेत तक पानी पहुंचाने का संकल्प, चौपाल लगाकर योजनाओं का लाभ दिलाएं अधिकारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों की आय बढ़ाने और खेती को आधुनिक बनाने के लिए राज्य सरकार कृषि क्षेत्र में तकनीक, सिंचाई और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा दे रही है। कृषक कल्याण वर्ष के दौरान किसानों को विभिन्न योजनाओं से जोड़ने के साथ खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। बुधवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उमरिया में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए नई कृषि तकनीक और प्रसंस्करण सुविधाओं का विस्तार जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी खेती के लिए पर्याप्त सिंचाई सुविधा सबसे जरूरी है। राज्य सरकार ने हर गांव और हर खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में किसानों को दिन के समय 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। इससे किसानों को रात में सिंचाई करने की परेशानी से राहत मिलेगी और खेती की लागत व प्रबंधन में भी सुविधा होगी। उन्होंने किसानों से धान और श्रौअन्न फसलों के उपार्जन के लिए समय पर पंजीयन कराने को कहा, ताकि उन्हें न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि गांव-गांव किसान चौपाल आयोजित कर पात्र किसानों को योजनाओं की जानकारी दी जाए और उनका लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाए।



खेती के साथ पशुपालन पर जोर

डॉ. यादव ने किसानों से खेती के साथ पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण और जैविक-प्राकृतिक खेती को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक ही गतिविधि पर निर्भर रहने के बजाय आय के कई स्रोत विकसित करना जरूरी है। पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और उद्यानिकी जैसी गतिविधियां किसानों को अतिरिक्त आमदनी दे सकती हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि उमरिया में जल्द ही एक बड़ी खाद्य प्रसंस्करण इकाई शुरू होगी। इससे स्थानीय कृषि उपज को बाजार मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने पंचायत स्तर पर दुग्ध संकलन समितियों के पंजीयन में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

कस्टम हार्वरिंग सेंटर और सौर पंप का लाभ लें किसान

मुख्यमंत्री ने किसानों से कस्टम हार्वरिंग सेंटर और सौर पंप सहित कृषक कल्याण योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। उनका कहना था कि आधुनिक कृषि यंत्र और तकनीक अपनाने से खेती का काम आसान होगा तथा उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। बलराम कृषि महोत्सव के माध्यम से किसानों को उन्नत तकनीक और सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया।

निःशुल्क रजिस्ट्री से किसानों को मिलेगा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्र के अभिलेखों की निःशुल्क रजिस्ट्री कराई जा रही है। स्वामित्व योजना के तहत पक्की रजिस्ट्री मिलने से हितग्राही अपनी संपत्ति का उपयोग बैंक ऋण सहित अन्य आवश्यकताओं के लिए कर सकेंगे। उन्होंने पात्र लोगों से इस सुविधा का लाभ उठाने की अपील की।

उमरिया की पहचान और विकास पर भी चर्चा

उमरिया में मौजूद मंत्री नागर सिंह चौहान और पूर्व मंत्री मीना सिंह से भी संवाद किया।

सड़क हादसों में मौत रोकने की मुहिम

हेलमेट और सीटबेल्ट पर सख्ती, 10 दिन पूरे प्रदेश में चलेगा विशेष अभियान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और गंभीर चोटों को कम करने के लिए पुलिस ने हेलमेट और सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग पर विशेष अभियान शुरू किया है। प्रदेशभर में यह अभियान 28 सितंबर से 8 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। दस दिवसीय अभियान में यातायात नियमों का पालन कराने के साथ लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा। पुलिस का फोकस केवल चालानी कार्रवाई पर नहीं रहेगा, बल्कि वाहन चालकों की आदतों में बदलाव लाने और सुरक्षित यातायात व्यवहार को बढ़ावा देने पर भी रहेगा। पुलिस की सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी समीक्षा में सामने आया है कि दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट और चार पहिया वाहन चालकों तथा यात्रियों द्वारा सीटबेल्ट का इस्तेमाल नहीं करने से हादसे की स्थिति में गंभीर चोट और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए अभियान के दौरान हेलमेट और सीटबेल्ट के शत-प्रतिशत उपयोग पर जोर दिया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।



कैमरों से भी रखी जाएगी नजर

जिन शहरों में यातायात निगरानी की आधुनिक व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरे उपलब्ध हैं, वहां कैमरों के माध्यम से नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर नजर रखी जाएगी। वाहनों की पहचान करने वाली स्वचालित व्यवस्था के जरिए इलेक्ट्रॉनिक चालान भी जारी किए जाएंगे। हेलमेट और सीटबेल्ट के नियमों का बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ उनके वाहन चलाने के अधिकार को निलंबित करने की कार्रवाई भी की जा सकती है। ऐसे मामलों में संबंधित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

चौराहों और हादसे वाले क्षेत्रों में जांच

अभियान के तहत जिलों के प्रमुख चौराहों, राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों के अग्रवाह दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में विशेष जांच की जाएगी। निर्धारित स्थानों पर जांच दल तैनात कर वाहनों की सघन जांच की जाएगी। बिना हेलमेट दोपहिया चलाने वालों और सीटबेल्ट नहीं लगाने वाले चार पहिया वाहन चालकों के खिलाफ नियमानुसार चालान किया जाएगा। पुलिस पीछे बैठने वाली दोपहिया सवारी के हेलमेट को लेकर भी विशेष जागरूकता अभियान चलाएगी। पीछे बैठती सवारी के लिए भी हेलमेट अनिवार्य होने की जानकारी दी जाएगी। नियम तोड़ने पर वाहन चालक और पीछे बैठती सवारी के संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री उदय प्रताप सिंह का राहुल गांधी पर तंज, कहा

वे राजनीति में 30 साल पीछे, 26 की उम्र वाला काम 57 में कर रहे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बालाघाट दौरे को लेकर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी राजनीति में करीब 30 साल की देरी से चल रहे हैं। जो काम एक युवा राजनेता को 25 से 28 वर्ष की उम्र में करना चाहिए, वह राहुल गांधी 56-57 वर्ष की उम्र में कर रहे हैं। मंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी हर काम विलंब से करते हैं और बालाघाट की मौजूदा परिस्थितियों को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं। 30 सितंबर को मीडिया से

बातचीत में उदय प्रताप सिंह ने कहा कि वह राहुल गांधी के बारे में कम बोलना पसंद करते हैं, क्योंकि उनके अनुसार राहुल गांधी के राजनीतिक कामकाज में समय का तालमेल नहीं दिखाई देता। मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि जब बोलने का समय होता है तो कांग्रेस के नेता नहीं बोलते और जब कुछ करने का समय आता है तो वे पीछे हट जाते हैं। राहुल गांधी की बालाघाट दौरे पर सवाल उठते हुए मंत्री ने वर्ष 1999 की नक्सली घटना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय बालाघाट में तत्कालीन सरकार के एक मंत्री की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी।



मेट्रो एंकर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जबलपुर में बनी देसी बोफोर्स का क्रेज

300 धनुष तोप बनाएगी जीसीएफ, अब तक का सबसे बड़ा लक्ष्य

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

ऑपरेशन सिंदूर के बाद स्वदेशी रक्षा उपकरणों को लेकर बढ़े भरपूर के बीच देश में निर्मित धनुष तोप की मांग और उत्पादन क्षमता बढ़ाने की तैयारी तेज हो गई है। जबलपुर की आयुध निर्माणी में तैयार की जा रही धनुष अब केवल संख्या में नहीं बढ़ेगी, बल्कि सेना में इसकी भूमिका भी विस्तार पाएगी। इसके नए संस्करण को माउंटेन गन के रूप में विकसित किया जा रहा है। योजना के तहत अगले पांच वर्षों में चरणबद्ध तरीके से करीब 300 धनुष तोपों सेना के बड़े में शामिल की जाएंगी।

धनुष को भारतीय सेना की पहली उन्नत स्वदेशी 155 मिलीमीटर, 45 कैलिबर हावित्जर तोप माना जाता है। इसे इसकी क्षमता और स्वदेशी तकनीक के कारण 'देसी बोफोर्स' भी कहा जाता है।



मौजूदा धनुष की मारक क्षमता करीब 38 किलोमीटर है। अब इसके उन्नत संस्करण की मारक क्षमता 44 किलोमीटर से अधिक करने की दिशा में काम किया जा रहा है। धनुष के विकास की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में इसके कलपुर्जों का स्वदेशीकरण शामिल है। करीब 13 वर्षों के दौरान इसमें स्वदेशी कलपुर्जों की

हिससेदारी 21 प्रतिशत से बढ़कर 95 प्रतिशत तक पहुंच गई है। नए माउंटेन गन संस्करण में भी स्वदेशी तकनीक और कलपुर्जों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

निर्माणी के महाप्रबंधक राहुल चौधरी के अनुसार, सेना के लिए नई धनुष तोप

एक मिनट में छह राउंड फायर

धनुष 155 मिलीमीटर, 45 कैलिबर की हावित्जर तोप है और एक मिनट में करीब छह राउंड फायर करने में सक्षम है। इसकी मौजूदा मारक क्षमता करीब 38 किलोमीटर बताई गई है, जिसे उन्नत कर 44 किलोमीटर से अधिक करने की तैयारी है। इसकी डिजाइन 1980 के दशक की

बोफोर्स तोप की तकनीकी अवधारणा पर आधारित है, लेकिन समय के साथ इसमें कई तकनीकी बदलाव और स्वदेशीकरण किए गए हैं। धनुष के नए माउंटेन गन संस्करण को सेना में पुरानी टोड गनों के विकल्प के रूप में शामिल करने की योजना है। पांच वर्षों में करीब 300

तोपों की चरणबद्ध आपूर्ति से सेना के तोपखाना बड़े में स्वदेशी प्रणालियों की हिस्सेदारी बढ़ेगी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद धनुष की उपयोगिता और उत्पादन क्षमता पर विशेष ध्यान दिए जाने के बीच अब इसके नए संस्करण को लेकर रैथारिया अंतिम चरण में पहुंच गई है।



सकेंगे। पंजीयन के दौरान किसान को भूमि संबंधी दस्तावेज, आधार कार्ड और बैंक खाते की जानकारी देनी होगी। उपज का भुगतान प्राथमिकता से आधार लिंक बैंक खाते में किया जाएगा। इसके लिए बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड देना जरूरी होगा। अक्रियाशील, संयुक्त तथा फिनो, एयरटेल और पेटीएम जैसे खाते मान्य नहीं होंगे।

पंजीयन केंद्र और शुल्क

ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत और तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्रों के साथ सहकारी समितियों और सहकारी विपणन संस्थाओं के पंजीयन केंद्रों पर भी पंजीयन की सुविधा निःशुल्क रहेगी। एमपी ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर, लोक सेवा केंद्र और निजी साइबर कैफे से पंजीयन कराने पर अधिकतम 50 रुपए शुल्क लिया जा सकेगा। सोयाबीन बेचने और योजना का लाभ लेने के लिए आधार वेरिफिकेशन अनिवार्य रहेगा। मोबाइल पर ओटीपी या बायोमेट्रिक के माध्यम से सत्यापन होगा।

सोयाबीन किसानों के लिए अच्छी खबर

भावांतर योजना से दूर होगा नुकसान, 17 अक्टूबर तक पंजीयन कराने का है मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

खरीफ सीजन 2026-27 में सोयाबीन किसानों को भावांतर योजना का लाभ मिलेगा। भारत सरकार की प्राइस डिफिसिट पेमेंट स्कीम के तहत किसानों की सोयाबीन उपज का मंडी में विक्रय होने के बाद निर्धारित मॉडल भाव और वास्तविक विक्री भाव के बीच के अंतर की राशि सरकार द्वारा किसानों को दी जाएगी। योजना का बैंक लेने के लिए किसानों का ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन 3 से 17 अक्टूबर तक होगा।

किसान ई-उपार्जन पोर्टल पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीयन करा

स्वचालित तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाया जा सकेगा। मौजूदा टोड गनों को स्थानांतरित करने के लिए भारी सैन्य ट्रक या आर्टिलरी ट्रैक्टर की जरूरत पड़ती है। माउंटेन गन संस्करण के आने से कठिन और पहाड़ी इलाकों में तोपों की तैनाती और स्थान परिवर्तन अपेक्षाकृत आसान हो सकेगा।

लोकतंत्र में सत्ता के पास कुर्सी होती है, अधिकार होता है, प्रशासन होता है-लेकिन किसी नागरिक के सवाल के जवाब में हाथ उठाने का लाइसेंस नहीं होता। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा से जुड़ा थप्पड़ प्रकरण इसी लोकतांत्रिक मर्यादा पर सवाल खड़ा करता है। सड़क निर्माण को लेकर शिकायतों और आरोप-प्रत्यारोप के बीच सामने आए इस घटनाक्रम में युवक ने अभद्रता की या नहीं, यह जांच का विषय है। लेकिन यदि मंत्री ने आवेश में आकर उसे थपड़ मारा, तो यह भी कानून और जवाबदेही के दायरे में आना चाहिए। सवाल यह

नहीं कि सड़क की परत किसने उखाड़ी; सवाल यह है कि सड़क इतनी कमजोर थी तो बनाई किसने और उसकी निगरानी किसने की? यदि विधायक जरनेल सिंह ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाया और सड़क का हिस्सा उखाड़कर सामने रखा, तो संबंधित इंजीनियर और ठेकेदार को बुलाकर जांच कराई जा सकती थी। सड़क सही निकलती तो आरोप बेबुनियाद साबित होते, खराब निकलती तो जिम्मेदारों की गर्दन पकड़ में आती। मगर सड़क के सवाल का जवाब सड़क की जांच से मिलाना चाहिए, थप्पड़ से

थप्पड़ और मर्यादा

नहीं। उधर विधायक पर 50 लाख रुपए कमीशन मांगने का आरोप भी कम गंभीर नहीं है। आरोप सही है तो कार्रवाई होनी चाहिए और गलत है तो आरोप लगाने वालों से जवाब लिया जाना चाहिए। इसी तरह मंत्री या उनके परिवार के खिलाफ कथित अभद्र भाषा की भी जांच हो। विरोध लोकतंत्र का अधिकार है, गाली उसका पर्याय नहीं। लेकिन किसी नागरिक की कथित बदजुबानी किसी जनप्रतिनिधि को कानून से ऊपर नहीं कर देती। असल परीक्षा अब पुलिस और प्रशासन की है। जांच ऐसी हो कि सत्ता और विपक्ष दोनों को एक

ही तराजू पर तौला जाए। न मंत्री की कुर्सी जांच को प्रभावित करे, न विधायक की राजनीतिक पहचान। प्रमाण बोलें, कानून चले और कार्रवाई दिखाई दे। क्योंकि राजनीति में शब्दों की तलखी लोकतंत्र सह सकता है, लेकिन सत्ता का हाथ उठाना लोकतांत्रिक संवाद की सीमा लांघ देता है। जनता ने नेताओं को शासन का अधिकार दिया है, जनता की गर्दन पर हाथ रखने का नहीं। सत्ता की ताकत इस बात में नहीं कि वह किसे थपड़ मार सकती है; असली ताकत यह है कि वह जनता के कठिन सवालों का जवाब बिना हाथ उठाए दे सके।

गांधी और खादी
2 अक्टूबर विशेष

खादी के माध्यम से आर्थिक संरचना की मजबूती और रोजगार सृजन की जरूरत

डॉ. अशोक कुमार धर्मेनिया 'अशोक'

लेखक, खादी विशेषज्ञ



बापू ने खादी को देश की बैसाखी के रूप में देखा था, किंतु आज खादी स्वयं बैसाखी के सहारे चल रही है। बापू के समय के चरखा और खादी का उद्देश्य देश को गुलामी की जंजीरों से छुटकारा दिलाना तथा ईस्ट इंडिया कंपनी की विदेशी हुकूमत को उखाड़ फेंकना था। समय निकल चुका है और अब हम गुलाम नहीं हैं। हम लगभग 78 वर्ष पूर्व आजाद हो चुके हैं। देश की आजादी में खादी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। अब खादी को वर्तमान परिदृश्य में देखना होगा।

वर्तमान में खादी के माध्यम से आर्थिक संरचना को कैसे मजबूत किया जाए कैसे अधिकाधिक रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं, इस ओर सतत कार्यवाही और समीक्षा की आवश्यकता है। बापू जी ने एक बार विनोबा से पूछा था कि तुम इतना अधिक सूत कातते हो, चरखा संघ के हिसाब से तुम्हें कितनी मजदूरी मिलेगी? विनोबा जी ने उत्तर दिया- दो आने। बापू को बहुत दुख हुआ और कतिन / सूतकारों की मजदूरी बढ़ाने की सार्थक कार्यवाही उनके द्वारा की गई। खादी की महत्ता से जन-जन को परिचित कराने के लिए वह विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहते थे कि हमारे देश की गरीबी का भान सभी को होना चाहिए। गांव किस तरह उजड़ते चले जा रहे हैं, वह क्या चीज है जो लोगों को इस गरीबी में कुछ सहारा दे सकती है, उजड़ते हुए गांव को बचा सकती है, तभी खादी का महत्व समझ में आएगा। बापू द्वारा तत्समय व्यक्त किए गए विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। बापू ने आगे कहा था की खादी पुराने उद्योग को पुनर्जीवित करती है। यह यंत्रों को नष्ट नहीं करती, नियंत्रित अवश्य करती है। चरखा भी तो स्वयं एक छोटा सा सुंदर यंत्र है। यह गांव में ही और वह भी अपने घर में रोजगार प्रदान करता है। गांव मजबूत होंगे, परिणामतः प्रदेश और देश मजबूत होगा। खेती के साथ-साथ खादी और ग्राम उद्योग, ग्रामदेवता की आर्थिक स्थिति मजबूत करेंगे, देश खुशहाल होगा। पवनार में संत विनोबा जी के समय में विचार मंथन चलता था कि खादी की गुणवत्ता कैसे बढ़ाई जाए, सूतकारों की आमदनी में वृद्धि कैसे हो? निर्णय हुआ कि पोनी बनाने तक की प्रक्रिया का मशीनीकरण कर देना चाहिए। पोनी सामान बनेगी तो धागा समान बनेगा। खादी की गुणवत्ता में सुधार होगा, चरखे पर धागा बार-बार टूटेगा नहीं। फलस्वरूप सूतकार की आमदनी भी बढ़ेगी। निर्णय का पालन हुआ और जगह-जगह खादी के बड़े केंद्रों पर पोनी बनाने के लिए मिल मशीनरी लगा दी गई। पोनी का निर्माण मशीन से होने लगा। सूत में सुधार हुआ और खादी की समानता में सुधार आया। किंतु आज विनोबा जी का अभाव खादी में खटक रहा है। बढ़ती महंगाई और पाश्चात्य संस्कृति के मशीनरी युग में चरखे पर सूत कातकर काम करना, बुनकर के द्वारा खादी कपड़ा तैयार करने में प्राप्त श्रमकाई से उदर पोषण करना अब कठिन हो गया है। खादी की अधिक कीमत के कारण इसकी बिक्री की समस्या से खादी उत्पादन का पूरा चक्र ही धीमा हो गया है। फलस्वरूप खादी उत्पादन में गिरावट और इसके



माध्यम से रोजगार के अवसरों में कमी परिलक्षित हो रही है। एक ओर बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ब्रांड को जग जाहिर करने में करोड़ों रुपए फूंक देती हैं, वहीं दूसरी ओर 'खादी' ब्रांड जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाये बैठा है, उसकी ओर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। खादी की तासीर को प्रचार- प्रसार के माध्यम से जन सामान्य तक ले जाने की आवश्यकता है। शुद्ध और प्रामाणित खादी बिक्री करने के लिए बड़े-बड़े शोरूम न केवल राष्ट्र के अंदर बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी खोले जाने की आवश्यकता है। गांधी और खादी के नाम पर विदेश में न केवल इस वस्त्र की बिक्री बढ़ाई जा सकती है, बल्कि विदेशी मुद्रा प्राप्त करने का एक बड़ा दरवाजा खुल सकता है। यह सही है कि शासन स्तर से खादी उत्पादन एवं बिक्री के लिए विभिन्न प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं, अनुदान दिए जा रहे हैं। इसके बाद भी जन सामान्य इसकी तासीर से परिचित नहीं हो पा रहा है। एक बार यदि खादी की तासीर जन सामान्य को समझ में आ जाती है तो फिर खादी को बैसाखी की आवश्यकता नहीं होगी। खादी की बिक्री के लिए शासन द्वारा विभिन्न प्रकार के आरक्षण, बिक्री रिबेट सुविधा दी जा रही है। यह आरक्षण हैडलूम वस्त्र को भी दिए

गाए हैं। परिणामस्वरूप खादी और हैडलूम आपस में एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। शासकीय क्रय आदेश प्राप्त करने की इन दोनों में होड़ लगी रहती है, अर्थात् यह दोनों ही शासन से प्राप्त होने वाले क्रय आदेशों पर जिंदा हैं। क्या ऐसा नहीं हो सकता कि हैडलूम और खादी एक दूसरे के प्रतिस्पर्धी ना रहें?? खादी और हैडलूम को मिलाकर एक नई नीति बनाई जानी चाहिए। खादी क्षेत्र में अधिकाधिक रोजगार चरखे के माध्यम से सूत कटाई पर दिया जाता है, जबकि हैडलूम क्षेत्र में जो धागा प्रयोग में आता है

वह मिल मेड अर्थात् बड़ी मशीनरी पर तैयार होता है। यदि इन दोनों में सामंजस्य बैठकर ऐसी नीति निर्धारित की जाए कि खादी क्षेत्र में धागा निर्मित हो और हैडलूम क्षेत्र खादी क्षेत्र में तैयार किए गए सूत का ही प्रयोग करे तो संभवतः हैडलूम और खादी की प्रतिस्पर्धा को समाप्त किया जा सकता है एवं बड़े पैमाने पर सूतकारों, बुनकरों को स्थाई रोजगार सृजित हो सकता है। खादी क्षेत्र का धागा जो हैडलूम क्षेत्र में बुनकरों द्वारा उपयोग में लाया जाएगा ऐसे वस्त्र का नाम हो सकता है- 'कंपोजिट खादी' अथवा 'हेंडो खादी'। 'कंपोजिट खादी में खादी क्षेत्र का जो धागा उपयोग किया जाएगा वह ऐसे चरखे से निर्मित किया जाएगा जो चौथाई अश्व शक्ति की मोटर से चलता हो। समानानुसार चरखे में मोटर के उपयोग की स्वीकृति देना आज की आवश्यकता प्रतीत होती है। यह कार्य शासन स्तर का नहीं है। खादी में सलग्न संस्थाओं को इस विषय पर सामूहिक बैठक कर निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है। नीति विषयक मामले में आजकल खादी अनाथ जैसी हो गई है, यदि गांधी या विनोबा होते तो शायद इसकी मान्यता कभी से हो गई होती। इस व्यवस्था से न केवल सूतकार की आमदनी में तीन से चार गुना वृद्धि हो सकती है बल्कि खादी के वस्त्र की कीमत भी कम होगी। मोटर चालित चरखे से निर्मित सूत में एक समानता भी बढ़ेगी, फलस्वरूप खादी की गुणवत्ता में निखार आएगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

वॉकिंग शारीरिक रूप से एक्टिव रहने के सबसे आसान तरीकों में से एक है, लेकिन 'लिम्फैटिक वॉकिंग' नाम का एक नया वेलनेस ट्रेड ऑनलाइन चर्चा में है। आम तौर पर, इसका मतलब है धीरे-धीरे और सोच-समझकर चलना। साथ ही हल्की मूवमेंट, लयबद्ध तरीके से सांस लेना, पोश्चर बदलना या ऐसी एक्सरसाइज करना जिनसे लिम्फैटिक सर्कुलेशन बेहतर हो। 'लिम्फैटिक वॉकिंग' की कोई एक तय



मेडिकल परिभाषा नहीं है। इस शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर ऐसी हल्की और लयबद्ध मूवमेंट के लिए किया जाता है जो लिम्फ के बहाव में मदद करती हैं। ब्लड सर्कुलेशन के उलट, लिम्फैटिक सिस्टम में दिल जैसा कोई सेंट्रल पंप नहीं होता। मांसपेशियों की मूवमेंट, सांस लेने के दौरान दबाव में बदलाव और शरीर की मूवमेंट - ये सभी लिम्फैटिक वेसल्सके जरिए लिम्फ की मूवमेंट में मदद करते हैं। सामान्य वॉकिंग आम तौर पर कार्डियोवैस्कुलर

फिटनेस, शारीरिक गतिविधि, सहनशक्ति और कुल मिलाकर सेहत पर ध्यान देती है। लिम्फैटिक वॉकिंग में आम तौर पर धीमी, नियंत्रित मूवमेंट, आराम से सांस लेने और मांसपेशियों की लयबद्ध गतिविधि पर जोर दिया जाता है।

शारीरिक गतिविधि के दौरान मांसपेशियों के सिकुड़ने से लिम्फ के ट्रांसपोर्ट में मदद मिल सकती है। लिम्फेडेमा पर हुई रिसर्च से पता चलता है कि एक्सरसाइज के लक्षणों, शारीरिक कामकाज और कुछ मामलों में अंगों के आकार पर अच्छे असर पड़ सकते हैं। शारीरिक एक्टिविटी से फ्लूइड के सर्कुलेशन में मदद मिल सकती

है, और लिम्फेडेमा के इलाज में एक्सरसाइज को शामिल किया जाता है। रिसर्च से पता चलता है कि एक्सरसाइज का अंगों के साइज और लक्षणों पर थोड़ा सकारात्मक असर पड़ सकता है, हालांकि इसके सबूत सीमित और अलग-अलग तरह के हैं। जिन लोगों को पहले से लिम्फेडेमा है, उन्हें एक खास एक्सरसाइज प्रोग्राम से फायदा हो सकता है, जिसमें कभी-कभी कम्पेशन और लिम्फेडेमा के इलाज के दूसरे तरीके भी शामिल हो सकते हैं। आखिरकार, सबसे अच्छा वॉकिंग रूटीन वही है जिसे लगातार और सुरक्षित तरीके से किया जा सके।

निशाना

फूलों की खेती छोड़ो बारूदों का मंज़र है



रामकिशोर नाइक

ये दुनिया जादूगर है पत्थर होने का डर है चप्पे चप्पे पर चौकस अस्मत का सौदागर है फूलों की खेती छोड़ो बारूदों का मंज़र है सोया था या रोया था कितना गीला चादर है लटका है जो फंदे पर देखो ढाई आखर है सत्ता की आँखों में देख बाल सुआर का अंदर है तिरस्कार फैला घर घर बृद्धाश्रम में आदर है।

कंज्यूमर अपडेट

बिना इंटरनेट मोबाइल पर चलेगा लाइव टीवी डी2एम से बदलेगा टीवी देखने का तरीका

स्मार्टफोन पर लाइव टीवी देखने के लिए अभी तक इंटरनेट कनेक्शन, मोबाइल डेटा या वाई-फाई की जरूरत पड़ती है। लेकिन आने वाले समय में ऐसा जरूरी नहीं होगा। डायरेक्ट-टू-मोबाइल यानी डी2एम तकनीक के जरिए मोबाइल फोन पर बिना मोबाइल इंटरनेट के सीधे लाइव टीवी, वीडियो, ऑडियो और दूसरे प्रसारण कार्यक्रम पहुंचाए जा सकेंगे। प्रसार भारती इस तकनीक को व्यावसायिक रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ताजा जानकारी के मुताबिक डी2एम के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए कंपनियों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। जून 2026 में प्रसार भारती ने बताया था कि डी2एम तकनीक के अहम प्रयोगशाला और मैदानी परीक्षण सफल रहे हैं। इन परीक्षणों में यह भी जांचा गया कि डी2एम प्रसारण के साथ मोबाइल कॉल और एसएमएस सेवाओं पर कोई परेशानी तो नहीं आती। परीक्षणों के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और कंपनियों से प्रस्ताव मांगने की प्रक्रिया पर काम किया गया।

यह सुविधा शुरू होने पर भी मौजूदा हर स्मार्टफोन

पर लाइव टीवी चलना जरूरी नहीं है। डी2एम संकेत पाने के लिए मोबाइल में जरूरी हार्डवेयर या चिप की आवश्यकता होगी। यानी उपयोगकर्ताओं को ऐसा नया स्मार्टफोन या उपकरण लेना पड़ सकता है, जिसमें



डी2एम का समर्थन हो। तेजस नेटवर्क्स ने डी2एम तकनीक के लिए जरूरी उपकरण और सॉफ्टवेयर तैयार किए हैं। कंपनी ने इंटेल् के साथ मिलकर डी2एम सुविधा वाले लैपटॉप का प्रदर्शन भी किया है। इस तकनीक के जरिए बिना वाई-फाई या इंटरनेट के लाइव टीवी, वीडियो, ऑडियो और लिखित सामग्री उपकरणों तक पहुंचाने की क्षमता दिखाई गई है। **नेटवर्क जाम होने पर भी उपयोगी:** डी2एम का एक महत्वपूर्ण फायदा उन परिस्थितियों में हो सकता है, जब मोबाइल नेटवर्क पर बहुत ज्यादा दबाव हो। किसी बड़े क्रिकेट मैच, प्राकृतिक आपदा या बड़े सार्वजनिक आयोजन के दौरान मोबाइल नेटवर्क व्यस्त हो जाता है। ऐसे समय में प्रसारण आधारित डी2एम सेवा अलग माध्यम से सामग्री पहुंचा सकती है।

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिन्हें देखकर यकीन करना मुश्किल होता है। कहीं बर्फीली ठंड इसानी जीवन को चुनौती देती है तो कहीं लोग समुद्र और पहाड़ों के बीच ऐसे बसे हैं, जैसे प्रकृति के साथ उनका अलग ही रिश्ता हो। लेकिन थाईलैंड का को पन्याई गांव अपनी बसावट के कारण दुनिया की अनोखी जगहों में शामिल है। यह गांव जमीन पर नहीं, बल्कि समुद्र के उथले पानी में लकड़ी और मजबूत खंभों के सहारे बसा है।

को पन्याई दक्षिण थाईलैंड की पंग नगा खाड़ी में विशाल चूना पत्थर की चट्टानों के बीच स्थित है। दूर से देखने पर पानी के बीच खड़े मकान किसी तैरती हुई बस्ती जैसे नजर आते हैं। गांव में रहने वाले अधिकांश लोग मछुआरे हैं और समुद्र ही उनकी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। शांत और उथले पानी ने यहां ऐसी बस्ती बसाने में मदद की, जो सामान्य गांवों से बिल्कुल अलग है।

इस गांव की कहानी करीब दो सौ साल पुरानी बताई जाती है। यहां रहने वाले लोगों की जड़ें इंडोनेशिया से जुड़ी हैं। स्थानीय इतिहास के अनुसार समुद्र पार करके आए मछुआरों ने यहां अपना ठिकाना बनाया था। उस समय थाईलैंड के कानूनों के तहत विदेशियों के लिए जमीन खरीदना आसान नहीं था। ऐसे में जमीन पर घर बनाने के बजाय उन्होंने समुद्र

के भीतर खंभे गाड़कर अपने मकान तैयार किए। धीरे-धीरे यही छोटा सा ठिकाना एक स्थायी गांव में बदल गया। समय के साथ गांव का आकार बढ़ता गया और यहां जीवन की जरूरी सुविधाएं भी विकसित होती गईं। आज को पन्याई में सैकड़ों परिवार रहते हैं। यहां बच्चों के लिए स्कूल, मस्जिद, स्वास्थ्य केंद्र, दुकानें और रेस्तरां तक मौजूद हैं। यानी पानी के ऊपर बसी इस बस्ती में लोगों ने अपनी जरूरत के मुताबिक लगभग पूरी जीवन-व्यवस्था खड़ी कर ली है।



गांव का सबसे दिलचस्प आकर्षण इसका तैरता हुआ फुटबॉल मैदान है। समुद्र के बीच लकड़ी के प्लेटफॉर्म पर बना यह मैदान स्थानीय बच्चों के चुनौती का कहानी भी बताता है। जगह कम थी, इसलिए बच्चों ने समुद्र के ऊपर ही खेलने की जगह बना ली। आज यह मैदान यहां आने वाले पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बन चुका है।

को पन्याई की अर्थव्यवस्था में मछली पकड़ने की भूमिका आज भी महत्वपूर्ण है। हालांकि पर्यटन ने स्थानीय लोगों के लिए आय के नए रास्ते खोले हैं। गांव में आने वाले पर्यटक यहां की अनोखी बस्ती, समुद्री जीवन और स्थानीय संस्कृति को देखने के साथ रेस्तरां और दुकानों का भी रुख करते हैं।

कंज्यूमर अपडेट

बिना इंटरनेट मोबाइल पर चलेगा लाइव टीवी डी2एम से बदलेगा टीवी देखने का तरीका

स्मार्टफोन पर लाइव टीवी देखने के लिए अभी तक इंटरनेट कनेक्शन, मोबाइल डेटा या वाई-फाई की जरूरत पड़ती है। लेकिन आने वाले समय में ऐसा जरूरी नहीं होगा। डायरेक्ट-टू-मोबाइल यानी डी2एम तकनीक के जरिए मोबाइल फोन पर बिना मोबाइल इंटरनेट के सीधे लाइव टीवी, वीडियो, ऑडियो और दूसरे प्रसारण कार्यक्रम पहुंचाए जा सकेंगे। प्रसार भारती इस तकनीक को व्यावसायिक रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ताजा जानकारी के मुताबिक डी2एम के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए कंपनियों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। जून 2026 में प्रसार भारती ने बताया था कि डी2एम तकनीक के अहम प्रयोगशाला और मैदानी परीक्षण सफल रहे हैं। इन परीक्षणों में यह भी जांचा गया कि डी2एम प्रसारण के साथ मोबाइल कॉल और एसएमएस सेवाओं पर कोई परेशानी तो नहीं आती। परीक्षणों के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और कंपनियों से प्रस्ताव मांगने की प्रक्रिया पर काम किया गया।

यह सुविधा शुरू होने पर भी मौजूदा हर स्मार्टफोन

पर लाइव टीवी चलना जरूरी नहीं है। डी2एम संकेत पाने के लिए मोबाइल में जरूरी हार्डवेयर या चिप की आवश्यकता होगी। यानी उपयोगकर्ताओं को ऐसा नया स्मार्टफोन या उपकरण लेना पड़ सकता है, जिसमें



डी2एम का समर्थन हो। तेजस नेटवर्क्स ने डी2एम तकनीक के लिए जरूरी उपकरण और सॉफ्टवेयर तैयार किए हैं। कंपनी ने इंटेल् के साथ मिलकर डी2एम सुविधा वाले लैपटॉप का प्रदर्शन भी किया है। इस तकनीक के जरिए बिना वाई-फाई या इंटरनेट के लाइव टीवी, वीडियो, ऑडियो और लिखित सामग्री उपकरणों तक पहुंचाने की क्षमता दिखाई गई है। **नेटवर्क जाम होने पर भी उपयोगी:** डी2एम का एक महत्वपूर्ण फायदा उन परिस्थितियों में हो सकता है, जब मोबाइल नेटवर्क पर बहुत ज्यादा दबाव हो। किसी बड़े क्रिकेट मैच, प्राकृतिक आपदा या बड़े सार्वजनिक आयोजन के दौरान मोबाइल नेटवर्क व्यस्त हो जाता है। ऐसे समय में प्रसारण आधारित डी2एम सेवा अलग माध्यम से सामग्री पहुंचा सकती है।

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिन्हें देखकर यकीन करना मुश्किल होता है। कहीं बर्फीली ठंड इसानी जीवन को चुनौती देती है तो कहीं लोग समुद्र और पहाड़ों के बीच ऐसे बसे हैं, जैसे प्रकृति के साथ उनका अलग ही रिश्ता हो। लेकिन थाईलैंड का को पन्याई गांव अपनी बसावट के कारण दुनिया की अनोखी जगहों में शामिल है। यह गांव जमीन पर नहीं, बल्कि समुद्र के उथले पानी में लकड़ी और मजबूत खंभों के सहारे बसा है।

को पन्याई दक्षिण थाईलैंड की पंग नगा खाड़ी में विशाल चूना पत्थर की चट्टानों के बीच स्थित है। दूर से देखने पर पानी के बीच खड़े मकान किसी तैरती हुई बस्ती जैसे नजर आते हैं। गांव में रहने वाले अधिकांश लोग मछुआरे हैं और समुद्र ही उनकी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। शांत और उथले पानी ने यहां ऐसी बस्ती बसाने में मदद की, जो सामान्य गांवों से बिल्कुल अलग है।

इस गांव की कहानी करीब दो सौ साल पुरानी बताई जाती है। यहां रहने वाले लोगों की जड़ें इंडोनेशिया से जुड़ी हैं। स्थानीय इतिहास के अनुसार समुद्र पार करके आए मछुआरों ने यहां अपना ठिकाना बनाया था। उस समय थाईलैंड के कानूनों के तहत विदेशियों के लिए जमीन खरीदना आसान नहीं था। ऐसे में जमीन पर घर बनाने के बजाय उन्होंने समुद्र

के भीतर खंभे गाड़कर अपने मकान तैयार किए। धीरे-धीरे यही छोटा सा ठिकाना एक स्थायी गांव में बदल गया। समय के साथ गांव का आकार बढ़ता गया और यहां जीवन की जरूरी सुविधाएं भी विकसित होती गईं। आज को पन्याई में सैकड़ों परिवार रहते हैं। यहां बच्चों के लिए स्कूल, मस्जिद, स्वास्थ्य केंद्र, दुकानें और रेस्तरां तक मौजूद हैं। यानी पानी के ऊपर बसी इस बस्ती में लोगों ने अपनी जरूरत के मुताबिक लगभग पूरी जीवन-व्यवस्था खड़ी कर ली है।

गांव का सबसे दिलचस्प आकर्षण इसका तैरता हुआ फुटबॉल मैदान है। समुद्र के बीच लकड़ी के प्लेटफॉर्म पर बना यह मैदान स्थानीय बच्चों के चुनौती का कहानी भी बताता है। जगह कम थी, इसलिए बच्चों ने समुद्र के ऊपर ही खेलने की जगह बना ली। आज यह मैदान यहां आने वाले पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बन चुका है।

को पन्याई की अर्थव्यवस्था में मछली पकड़ने की भूमिका आज भी महत्वपूर्ण है। हालांकि पर्यटन ने स्थानीय लोगों के लिए आय के नए रास्ते खोले हैं। गांव में आने वाले पर्यटक यहां की अनोखी बस्ती, समुद्री जीवन और स्थानीय संस्कृति को देखने के साथ रेस्तरां और दुकानों का भी रुख करते हैं।

कंज्यूमर अपडेट

बिना इंटरनेट मोबाइल पर चलेगा लाइव टीवी डी2एम से बदलेगा टीवी देखने का तरीका

स्मार्टफोन पर लाइव टीवी देखने के लिए अभी तक इंटरनेट कनेक्शन, मोबाइल डेटा या वाई-फाई की जरूरत पड़ती है। लेकिन आने वाले समय में ऐसा जरूरी नहीं होगा। डायरेक्ट-टू-मोबाइल यानी डी2एम तकनीक के जरिए मोबाइल फोन पर बिना मोबाइल इंटरनेट के सीधे लाइव टीवी, वीडियो, ऑडियो और दूसरे प्रसारण कार्यक्रम पहुंचाए जा सकेंगे। प्रसार भारती इस तकनीक को व्यावसायिक रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ताजा जानकारी के मुताबिक डी2एम के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए कंपनियों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। जून 2026 में प्रसार भारती ने बताया था कि डी2एम तकनीक के अहम प्रयोगशाला और मैदानी परीक्षण सफल रहे हैं। इन परीक्षणों में यह भी जांचा गया कि डी2एम प्रसारण के साथ मोबाइल कॉल और एसएमएस सेवाओं पर कोई परेशानी तो नहीं आती। परीक्षणों के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और कंपनियों से प्रस्ताव मांगने की प्रक्रिया पर काम किया गया।

यह सुविधा शुरू होने पर भी मौजूदा हर स्मार्टफोन

पर लाइव टीवी चलना जरूरी नहीं है। डी2एम संकेत पाने के लिए मोबाइल में जरूरी हार्डवेयर या चिप की आवश्यकता होगी। यानी उपयोगकर्ताओं को ऐसा नया स्मार्टफोन या उपकरण लेना पड़ सकता है, जिसमें



डी2एम का समर्थन हो। तेजस नेटवर्क्स ने डी2एम तकनीक के लिए जरूरी उपकरण और सॉफ्टवेयर तैयार किए हैं। कंपनी ने इंटेल् के साथ मिलकर डी2एम सुविधा वाले लैपटॉप का प्रदर्शन भी किया है। इस तकनीक के जरिए बिना वाई-फाई या इंटरनेट के लाइव टीवी, वीडियो, ऑडियो और लिखित सामग्री उपकरणों तक पहुंचाने की क्षमता दिखाई गई है। **नेटवर्क जाम होने पर भी उपयोगी:** डी2एम का एक महत्वपूर्ण फायदा उन परिस्थितियों में हो सकता है, जब मोबाइल नेटवर्क पर बहुत ज्यादा दबाव हो। किसी बड़े क्रिकेट मैच, प्राकृतिक आपदा या बड़े सार्वजनिक आयोजन के दौरान मोबाइल नेटवर्क व्यस्त हो जाता है। ऐसे समय में प्रसारण आधारित डी2एम सेवा अलग माध्यम से सामग्री पहुंचा सकती है।

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिन्हें देखकर यकीन करना मुश्किल होता है। कहीं बर्फीली ठंड इसानी जीवन को चुनौती देती है तो कहीं लोग समुद्र और पहाड़ों के बीच ऐसे बसे हैं, जैसे प्रकृति के साथ उनका अलग ही रिश्ता हो। लेकिन थाईलैंड का को पन्याई गांव अपनी बसावट के कारण दुनिया की अनोखी जगहों में शामिल है। यह गांव जमीन पर नहीं, बल्कि समुद्र के उथले पानी में लकड़ी और मजबूत खंभों के सहारे बसा है।

को पन्याई दक्षिण थाईलैंड की पंग नगा खाड़ी में विशाल चूना पत्थर की चट्टानों के बीच स्थित है। दूर से देखने पर पानी के बीच खड़े मकान किसी तैरती हुई बस्ती जैसे नजर आते हैं। गांव में रहने वाले अधिकांश लोग मछुआरे हैं और समुद्र ही उनकी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। शांत और उथले पानी ने यहां ऐसी बस्ती बसाने में मदद की, जो सामान्य गांवों से बिल्कुल अलग है।

इस गांव की कहानी करीब दो सौ साल पुरानी बताई जाती है। यहां रहने वाले लोगों की जड़ें इंडोनेशिया से जुड़ी हैं। स्थानीय इतिहास के अनुसार समुद्र पार करके आए मछुआरों ने यहां अपना ठिकाना बनाया था। उस समय थाईलैंड के कानूनों के तहत विदेशियों के लिए जमीन खरीदना आसान नहीं था। ऐसे में जमीन पर घर बनाने के बजाय उन्होंने समुद्र

के भीतर खंभे गाड़कर अपने मकान तैयार किए। धीरे-धीरे यही छोटा सा ठिकाना एक स्थायी गांव में बदल गया। समय के साथ गांव का आकार बढ़ता गया और यहां जीवन की जरूरी सुविधाएं भी विकसित होती गईं। आज को पन्याई में सैकड़ों परिवार रहते हैं। यहां बच्चों के लिए स्कूल, मस्जिद, स्वास्थ्य केंद्र, दुकानें और रेस्तरां तक मौजूद हैं। यानी पानी के ऊपर बसी इस बस्ती में लोगों ने अपनी जरूरत के मुताबिक लगभग पूरी जीवन-व्यवस्था खड़ी कर ली है।

गांव का सबसे दिलचस्प आकर्षण इसका तैरता हुआ फुटबॉल मैदान है। समुद्र के बीच लकड़ी के प्लेटफॉर्म पर बना यह मैदान स्थानीय बच्चों के चुनौती का कहानी भी बताता है। जगह कम थी, इसलिए बच्चों ने समुद्र के ऊपर ही खेलने की जगह बना ली। आज यह मैदान यहां आने वाले पर्यटकों के लिए खास आकर्षण बन चुका है।

को पन्याई की अर्थव्यवस्था में मछली पकड़ने की भूमिका आज भी महत्वपूर्ण है। हालांकि पर्यटन ने स्थानीय लोगों के लिए आय के नए रास्ते खोले हैं। गांव में आने वाले पर्यटक यहां की अनोखी बस्ती, समुद्री जीवन और स्थानीय संस्कृति को देखने के साथ रेस्तरां और दुकानों का भी रुख करते हैं।

कंज्यूमर अपडेट

बिना इंटरनेट मोबाइल पर चलेगा लाइव टीवी डी2एम से बदलेगा टीवी देखने का तरीका

स्मार्टफोन पर लाइव टीवी देखने के लिए अभी तक इंटरनेट कनेक्शन, मोबाइल डेटा या वाई-फाई की जरूरत पड़ती है। लेकिन आने वाले समय में ऐसा जरूरी नहीं होगा। डायरेक्ट-टू-मोबाइल यानी डी2एम तकनीक के जरिए मोबाइल फोन पर बिना मोबाइल इंटरनेट के सीधे लाइव टीवी, वीडियो, ऑडियो और दूसरे प्रसारण कार्यक्रम पहुंचाए जा सकेंगे। प्रसार भारती इस तकनीक को व्यावसायिक रूप देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

ताजा जानकारी के मुताबिक डी2एम के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए कंपनियों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। जून 2026 में प्रसार भारती ने बताया था कि डी2एम तकनीक के अहम प्रयोगशाला और मैदानी परीक्षण सफल रहे हैं। इन परीक्षणों में यह भी जांचा गया कि डी2एम प्रसारण के साथ मोबाइल कॉल और एसएमएस सेवाओं पर कोई परेशानी तो नहीं आती। परीक्षणों के बाद परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट और कंपनियों से प्रस्ताव मांगने की प्रक्रिया पर काम किया गया।

यह सुविधा शुरू होने पर भी मौजूदा हर स्मार्टफोन

पर लाइव टीवी चलना जरूरी नहीं है। डी2एम संकेत पाने के लिए मोबाइल में जरूरी हार्डवेयर या चिप की आवश्यकता होगी। यानी उपयोगकर्ताओं को ऐसा नया स्मार्टफोन या उपकरण लेना पड़ सकता है, जिसमें



डी2एम का समर्थन हो। तेजस नेटवर्क्स ने डी2एम तकनीक के लिए जरूरी उपकरण और सॉफ्टवेयर तैयार किए हैं। कंपनी ने इंटेल् के साथ मिलकर डी2एम सुविधा वाले लैपटॉप का प्रदर्शन भी किया है। इस तकनीक के जरिए बिना वाई-फाई या इंटरनेट के लाइव टीवी,

पितरों के स्मरण में उमड़ा आस्था का सैलाब, गौरैया घाट पर हुआ तर्पण

विधि-विधान से जल अर्पित कर पूर्वजों से की क्षमा याचना, परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पितृपक्ष के चौथे दिन नगर स्थित गौरैया नदी घाट पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ अपने पितरों का तर्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक जल अर्पित किया। सुबह से ही घाट पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। लोगों ने नदी तट पर बैठकर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए और अपने पूर्वजों का स्मरण करते हुए उनसे पूजा-अनजाने में हुई भूलों के लिए क्षमा याचना की। तर्पण के दौरान श्रद्धालुओं ने पितरों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए परिवार में सुख-

स्कूल में छात्रा से झाड़ू लगवाने पर प्रधानाध्यापक को नोटिस

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

विकासखंड के इमलीडोल स्थित शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय में छात्रा से कक्षा में झाड़ू लगवाने के मामले में शिक्षा विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार 29 सितंबर को दैनिक दोपहर मेट्रो भोपाल में खबर प्रकाशित होने के बाद जनपद शिक्षा केंद्र तेंदूखेड़ा के बीआरसी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए प्रधानाध्यापक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।



बच्चों से झाड़ू लगवाने संबंधी तथ्य सामने आने की बात कही गई है। विभाग ने इसे पदीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही मानते हुए तीन दिन में

नोटिस में प्रकाशित खबर और फोटो का उल्लेख करते हुए विद्यालय में स्पष्टीकरण मांगा है। नोटिस में कहा गया है कि निर्धारित अवधि में जवाब नहीं देने या जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर आगामी कार्रवाई के लिए वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजा जाएगा।

न्यूज विंडो

10 मिलीवाट से 2 वाट तक पहुंचाई लेजर की ताकत, गुणवत्ता रही बरकरार

नर्मदापुरम/इटारसी। इटारसी के भौतिकी शिक्षक सुधांशु भूषण शर्मा ने लेजर तकनीक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण शोध किया है। उनका शोध 27वीं राष्ट्रीय लेजर संगोष्ठी में प्रकाशित हुआ है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से लेजर विज्ञान एवं अनुप्रयोग में एमटेक शर्मा ने राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, इंदौर में यह शोध किया। शोध में 10 मिलीवाट क्षमता वाले लेजर की ताकत बढ़ाकर करीब 2 वाट की गई, यानी क्षमता लगभग 200 गुना बढ़ी। खास बात यह रही कि इस दौरान लेजर की गुणवत्ता और रोशनी की स्थिरता बनी रही। इसकी रेखा-चौड़ाई करीब 1 मेगाहर्ट्ज रही। लेजर की ताकत दो चरणों में बढ़ाई गई। पहले इसे 10 से करीब 60 मिलीवाट और फिर विशेष फाइबर की मदद से 2 वाट तक पहुंचाया गया। आधे से अधिक ऊर्जा को उपयोगी लेजर रोशनी में बदलने में सफलता मिली। शर्मा पिछले आठ वर्षों से भौतिकी पढ़ा रहे हैं और तीन साल से वर्धमान पब्लिक स्कूल, इटारसी में सेवाएं दे रहे हैं।

दो दिन से लापता महिला का जंगल में पेड़ से लटका मिला शव, पुलिस ने शुरू की जांच

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के ग्राम उगदरी में दो दिन से लापता 42 वर्षीय महिला का शव सुबह गांव से करीब एक किलोमीटर दूर जंगल में पेड़ से लटका मिला। मृतका की पहचान राधा गोंड, पति बद्री प्रसाद, निवासी बगदरी के रूप में हुई है। सूचना पर तेंदूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों के अनुसार राधा 28 सितंबर की शाम से लापता थी। तलाश के बाद 29 सितंबर को थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। बुधवार सुबह परिजन और ग्रामीण जंगल में तलाश कर रहे थे, तभी शव मिला। परिजनों ने महिला के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की जानकारी दी है। हालांकि, मौत के कारणों और परिस्थितियों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। थाना प्रभारी सरोज ठाकुर के अनुसार पुलिस ने मर्मा कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सेवा संकल्प : पौधों में दिखा मां का सम्मान महाविद्यालय में रोपे हरियाली के पौधे



तेंदूखेड़ा। शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय परिसर में सेवा संकल्प अभियान एवं 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रभारी प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में हुए कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापकों, क्रीड़ा अधिकारी, शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने पर्यावरण संतुलन में पेड़-पौधों की भूमिका बताते हुए बढ़ते प्रदूषण के बीच पौधरोपण और संरक्षण को जरूरी बताया। 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ने और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी विकसित करने का संदेश दिया गया। महाविद्यालय परिवार ने भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

पोषण की पाठशाला बनी आंगनवाड़ी, महिलाओं को बताए स्वस्थ जीवन के मंत्र



तेंदूखेड़ा। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को वार्ड क्रमांक 3 और 10 स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों पर आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग के आयोजन में गर्भवती महिलाओं, शिशुवती माताओं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। महिलाओं को संतुलित आहार, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने के साथ घर-आसपास स्वच्छता रखने तथा बच्चों को नियमित आंगनवाड़ी भेजने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में लाइली बहना, लाइली लक्ष्मी, प्रधानमंत्री मातृ वंदना, उज्ज्वला, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास और जनधन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण भी किया गया।

भारी अनियमितता का मामला, बाप-बेटे पर एफआईआर के निर्देश

रिकॉर्ड में था 43 हजार किलो राशन गोदाम में मिला सिर्फ 1 हजार किलो

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

गरीब परिवारों को बांटे जाने वाले सरकारी राशन की दो पीडीएस दुकानों में करीब 1.04 करोड़ रुपए की अनियमितता सामने आई है। ई-पॉस रिकॉर्ड में हजारों किलो गेहूं-चावल दर्ज होने के बावजूद भौतिक सत्यापन में गोदामों में उसका एक बड़ा हिस्सा गायब मिला। जांच में करीब 250 से 300 परिवारों को जून, जुलाई और अगस्त 2025 का राशन नहीं मिलने की बात भी सामने आई है। प्रशासन ने दोनों दुकानों को निलंबित कर संचालक समिति के प्रबंधक प्रकाश तिवारी और विक्रेता हर्ष तिवारी के खिलाफ एफआईआर के निर्देश दिए हैं। दोनों पिता-पुत्र बताए गए हैं।

29 अक्टूबर 2025 को हुए भौतिक सत्यापन में दुकान कोड 2601055 के रिकॉर्ड में 14,070 किलो गेहूं और 3,406 किलो चावल दर्ज था, जबकि मौके पर केवल 300 किलो गेहूं और 100 किलो चावल मिला। दूसरी दुकान 2601065 में रिकॉर्ड पर 20,757 किलो गेहूं और 4,919 किलो चावल था, लेकिन मौके पर 400 किलो गेहूं और 200 किलो चावल ही मिला। जांच में दोनों दुकानों पर क्रमशः 33.17 लाख



हर्ष तिवारी।



प्रकाश तिवारी।

रिकॉर्ड में जमीन-आसमान का अंतर

जांच के दौरान दोनों पीडीएस दुकानों के ई-पॉस रिकॉर्ड और मौके पर उपलब्ध खाद्यान्न में बड़ा अंतर सामने आया। दुकान कोड 2601055 में रिकॉर्ड के अनुसार 14,070 किलो गेहूं और 3,406 किलो चावल होना चाहिए था, लेकिन सत्यापन के समय सिर्फ 300 किलो गेहूं और 100 किलो चावल मिला। इसी तरह दुकान कोड 2601065 में रिकॉर्ड में 20,757 किलो गेहूं और 4,919 किलो चावल दर्ज था, जबकि मौके पर 400 किलो गेहूं और 200 किलो चावल ही पाया गया। जांच रिपोर्ट के अनुसार दोनों दुकानों में कुल 1,03,99,851 रुपए के खाद्यान्न की अनियमितता सामने आई है। प्रशासन अब संबंधित राशि की वसूली की कार्रवाई भी करेगा।

और 70.82 लाख रुपए की अनियमितता पाई गई। 28 सितंबर 2026 को एफआईआर के निर्देश के बाद कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने कोतवाली थाने में आवेदन दिया है। फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। प्रशासन ने दोनों दुकानों को अन्य पीडीएस दुकानों से अटैच कर दिया है।



बंडा में पांच पेटी अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

सागर जिले के बंडा में अवैध और जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद भी तेंदूखेड़ा क्षेत्र में अवैध शराब की सप्लाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। बुधवार तड़के करीब 5 बजे भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ताओं ने ग्राम हर्दई स्थित गुरैया पुल के पास घेराबंदी कर एक युवक को शराब की खेप के साथ पकड़ा और बाद में पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

पकड़े गए युवक की पहचान लोचन उर्फ प्रभु लोधी (26), निवासी पांजी पिडई के रूप में हुई है। बताया गया कि वह होंडा मोटरसाइकिल से शराब लेकर जा रहा था। तलाशी में उसके पास से 150 पाव लाल मसाला और 100 पाव देशी प्लेन, कुल पांच पेटी शराब बरामद होने की बात सामने आई है। संगठन कार्यकर्ताओं के अनुसार, पूछताछ में युवक ने कथित तौर पर ठेके के मैनेजर के कहने पर शराब की खेप रामदेही गांव ले जाने और रात करीब 2 बजे से कई युवकों द्वारा गांवों में शराब सप्लाई किए जाने की जानकारी दी। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

है। बताया गया कि वह होंडा मोटरसाइकिल से शराब लेकर जा रहा था। तलाशी में उसके पास से 150 पाव लाल मसाला और 100 पाव देशी प्लेन, कुल पांच पेटी शराब बरामद होने की बात सामने आई है। संगठन कार्यकर्ताओं के अनुसार, पूछताछ में युवक ने कथित तौर पर ठेके के मैनेजर के कहने पर शराब की खेप रामदेही गांव ले जाने और रात करीब 2 बजे से कई युवकों द्वारा गांवों में शराब सप्लाई किए जाने की जानकारी दी। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

मेट्रो एंकर तीन महीने बाद बीना और मोहली गेट से पर्यटकों को मिलेगा प्रवेश, 50 साइनेज बोर्ड बढ़ाएंगे रिजर्व की पहचान

वीडीटीआर के दोनों गेट आज खुलेंगे, बेटियों के साथ शुरू होगी जंगल सफारी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व (वीडीटीआर) में तीन महीने के अंतराल के बाद आज से जंगल सफारी फिर शुरू होगी। पर्यटकों की सुविधा और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बीना और मोहली प्रवेश द्वार तैयार किए गए हैं। दोनों गेटों के शुभारंभ अवसर पर बफर क्षेत्र के स्कूलों की छात्राओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। छात्राएं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहेंगी और उन्हें जंगल सफारी कराकर वन्यजीव संरक्षण, प्राकृतिक आवास और पर्यावरण के महत्व की जानकारी दी जाएगी।

डीएफओ डॉ. रजनीश कुमार के अनुसार, दोनों प्रवेश द्वारों को आकर्षक स्वरूप दिया गया है। इनमें



अर्रिंज रंग का इस्तेमाल किया गया है, जो वीरता का प्रतीक है और वीरांगना रानी दुर्गावती से जुड़ा है। गेट पर बाघ की आकृति और पीछे पत्तियों से वन्यजीवों की आकृतियां बनाई गई हैं। ऊपरी हिस्से में वंदनवार जैसी सजावट की गई है। रिजर्व की पहचान बढ़ाने के लिए प्रमुख मार्गों पर करीब 50 साइनेज बोर्ड भी लगाए जा रहे हैं। इनके माध्यम से पर्यटकों और राहगीरों को टाइगर रिजर्व की जानकारी मिलेगी।

प्रबंधन का उद्देश्य पर्यटन के साथ नई पीढ़ी को वन एवं वन्यजीव संरक्षण से जोड़ना भी है।

वीरता के रंग में सजे प्रवेश द्वार

वीडीटीआर के बीना और मोहली गेट को इस बार विशेष थीम के साथ तैयार किया गया है। प्रवेश द्वारों पर अर्रिंज रंग का इस्तेमाल किया गया है, जिसे वीरता का प्रतीक माना गया है। यह रंग वीरांगना रानी दुर्गावती की वीरता और साहस से भी जोड़ा गया

है। गेट पर बाघ की आकृति बनाई गई है, जबकि पीछे की ओर पत्तियों से वन्यजीवों की आकृतियां उकेरी गई हैं। ऊपरी हिस्से में वंदनवार जैसी सजावट की गई है, जो पर्यटकों के

करंट से बाधिन का शिकार, दो गिरफ्तार बाइंडिंग वायर में दौड़ाया था बिजली का करंट, एक आरोपी फरार



औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

रातापानी टाइगर रिजर्व में करंट लगाकर बाधिन के शिकार के मामले में वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार बताया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दाहोद निवासी जसमन बारैला और भूरा बारैला के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, 28 सितंबर को रिजर्व क्षेत्र में एक मादा बाघ का शव बरामद हुआ था। वन विभाग ने

29 सितंबर को नियमानुसार शव का पोस्टमार्टम कराया, जिसके बाद अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू की। जांच के दौरान संदेह के आधार पर दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। वन विभाग के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने घटना में शामिल होना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि 26 सितंबर को उन्होंने घटनास्थल पर बाइंडिंग वायर का जाल बिछाकर उसमें

बिजली का करंट प्रवाहित किया था। इसी करंट की चपेट में आने से बाधिन की मौत हो गई। आरोपियों की निशानदेही पर वन विभाग ने घटनास्थल के पास छिपाकर रखा गया तार और शिकार में प्रयुक्त अन्य सामग्री बरामद की है। दोनों आरोपियों को रायसेन न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। रातापानी टाइगर रिजर्व के अधीक्षक के अनुसार, मामले में शामिल एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है।

न्यूज विंडो

चाचा को फंसाने खुद रचा अपहरण का ड्रामा, फिरौती मांगने वाला भतीजा धराया

ग्वालियर। गिजौरा क्षेत्र में युवक के अपहरण और पांच लाख रुपए की फिरौती मांगने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया। जांच में सामने आया कि युवक राहुल बघेल ने अपने चाचा और उनके बेटों को कानूनी मामले में फंसाने के लिए खुद के अपहरण की झूठी कहानी रची थी। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 2024 में राहुल के नाम पर पल्सर बाइक फाइनेंस कराई गई थी, जिसका इस्तेमाल चाचा का परिवार कर रहा था। किस्ते जमा नहीं होने पर चक बाउंस का मामला राहुल के खिलाफ दर्ज हुआ। इससे नाराज होकर उसने चाचा से बदला लेने की साजिश रची। राहुल अचानक गायब हुआ और अपने मोबाइल से परिजनों को पांच लाख रुपए की फिरौती के मेसेज भेजे। पुलिस ने जांच के लिए तीन टीमें लगाईं। सीसीटीवी फुटेज में राहुल अकेला जाता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे तलाशकर पृछ्ठाछ की, जिसमें उसने अपहरण की कहानी मनगढ़ंत होने और चाचा को फंसाने के लिए साजिश रचने की बात स्वीकार की। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

बिना सुने जन्म प्रमाण पत्र बदलना गलत, हाई कोर्ट ने नप का आदेश किया निरस्त



इंदौर। महेश्वर की चर्चित ‘कुंभ गर्ल’ के जन्म प्रमाण पत्र में बदलाव के मामले में मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण आदेश दिया है। कोर्ट ने महेश्वर नगर परिषद के 31 मार्च 2026 के उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें युवती की जन्मतिथि 1 जनवरी 2008 से बदलकर 30 दिसंबर 2009 की गई थी। कोर्ट ने कहा कि रिकॉर्ड में बदलाव से युवती के हित प्रभावित होते हैं, इसलिए निर्णय लेने से पहले उसे सुनवाई का अवसर दिया जाना जरूरी था। मामले के अनुसार, युवती के माता-पिता के आवेदन पर 5 जून 2025 को जन्मतिथि 1 जनवरी 2008 दर्ज करते हुए प्रमाण पत्र जारी हुआ था। बाद में पिता ने अस्पताल के रिकॉर्ड के आधार पर जन्मतिथि सुधारने का आवेदन दिया, जिसके बाद परिषद ने तारीख बदल दी। युवती और उसके पति ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी। याचिका में आधार और पैन कार्ड में भी 1 जनवरी 2008 की जन्मतिथि दर्ज होने का उल्लेख किया गया। हाई कोर्ट ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का हवाला देते हुए कहा कि युवती को सुने बिना जन्म रिकॉर्ड में बदलाव नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने पिता के आवेदन पर युवती को सुनवाई का अवसर देकर नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिए।

इंदौर मैच के टिकट बेचने के बहाने कोलकाता के साइबर ठग सक्रिय



इंदौर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को होलकर स्टेडियम में होने वाले टी-20 मुकाबले से पहले टिकटों के नाम पर साइबर ठगी के प्रयास सामने आए हैं। इंदौर क्राइम ब्रांच ने टिकट बेचने के बहाने सक्रिय 10 सदिध वेबसाइटों को चिन्हित किया है। पुलिस के अनुसार, ये वेबसाइटें कोलकाता से संचालित की जा रही हैं और इनके जरिए सोशल मीडिया पर टिकट उपलब्ध कराने का झांसा दिया जा रहा है। एमपीसीए की ओर से टिकटों की ऑनलाइन बिक्री पूरी हो चुकी है और बड़ी संख्या में टिकट जल्द बिक गए थे। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर टिकट दिलाने के नाम पर लोगों को आकर्षित किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, ठगी के साथ खरीदे गए टिकटों की कालाबाजारी के प्रयास भी सामने आए हैं। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडेलिया ने बताया कि शिकायतों के आधार पर 10 वेबसाइटें चिन्हित कर उनके खिलाफ मेटा कंपनी को शिकायत भेजी गई है। एमपीसीए सचिव सुधीर असनानी ने भी प्रशंसकों से अनधिकृत माध्यमों से टिकट नहीं खरीदने की अपील की है। टिकट ठगी या कालाबाजारी की सूचना क्राइम ब्रांच के नंबर 7049124445 पर दी जा सकती है।

मेट्रो एंकर सेवा संकल्प अभियान में बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर जोर, ‘मेरी आंगनबाड़ी, मेरी जिम्मेदारी’ का दिया संदेश

आंगनबाड़ी पहुंचे जालम सिंह पटेल, हितग्राहियों से जाना योजनाओं का लाभ

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो
सेवा संकल्प अभियान के तहत देवरीकला पंचायत के ग्राम डेढ़वारा-झिरना स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनमन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद किया और योजनाओं से मिल रहे लाभ की जानकारी दी। इस दौरान हितग्राहियों का सम्मान भी किया गया। पटेल ने केंद्र की गतिविधियों और बच्चों को मिलने वाली



सुविधाओं की जानकारी लेते हुए पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों को ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के प्रारंभिक विकास और माताओं-बच्चों से जुड़ी सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बताया। उन्होंने ‘मेरी आंगनबाड़ी, मेरी जिम्मेदारी’ का संदेश दिया।

कार्यकर्ता, सहायिकाएं और ग्रामीण मौजूद रहे।
हितग्राहियों से सीधा संवाद
कार्यक्रम के दौरान पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल ने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के हितग्राहियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने लाभार्थियों से योजनाओं के माध्यम से मिल रहे लाभ और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी ली। हितग्राहियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। इस दौरान लाभार्थियों का सम्मान किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं संबंधित कर्मचारियों ने केंद्र पर संचालित गतिविधियों और बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का

उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं, बच्चों और हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से जोड़ने के साथ पोषण, स्वास्थ्य एवं महिला-बाल कल्याण संबंधी सेवाओं के प्रति जागरूक करना रहा। वहीं, जालम सिंह पटेल ने आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण करते हुए बच्चों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों के प्रारंभिक विकास में आंगनबाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने ‘मेरी आंगनबाड़ी, मेरी जिम्मेदारी’ का संदेश देते हुए केंद्र की गतिविधियों में सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया।

फाइनेंस एजेंटों को लूटने वाले दो आरोपी धराए, 1.80 लाख का माल बरामद

बाइक गिराकर कलेक्शन राशि, मोबाइल और बाइक लूटकर हुए थे फरार, अन्य की तलाश जारी

धार/बाग। दोपहर मेट्रो

बाग थाना क्षेत्र की डेहरी चौकी पुलिस ने फ्यूजन फाइनेंस के कलेक्शन एजेंटों से हुई लूट का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी गई पल्सर बाइक, वारदात में इस्तेमाल स्लेंडर बाइक और नकदी सहित करीब 1.80 लाख रुपए का मशरूका बरामद किया है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, 10 सितंबर को चेतन ठाकुर निवासी आष्टा, हाल मनावर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह साथी महेंद्र मेवाड़ा के साथ लोंगसरी-खारपूरा क्षेत्र में फ्यूजन फाइनेंस का कलेक्शन करने गया था। लौटते



समय दोपहर करीब 1:35 बजे शिव मंदिर के पीछे कच्चे रास्ते पर दो बाइक से आए चार बदमाशों ने उनकी बाइक को लात मारकर गिरा दिया। इसके बाद कलेक्शन राशि, बाइक और

चार बदमाशों ने दिया था वारदात को अंजाम

फ्यूजन फाइनेंस के कलेक्शन एजेंट चेतन ठाकुर और महेंद्र मेवाड़ा कलेक्शन के बाद बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान शिव मंदिर के पीछे कच्चे रास्ते पर दो बाइक से आए चार बदमाशों ने उनकी बाइक को लात मारकर गिरा दिया। दोनों के संभलने से पहले बदमाशों ने कलेक्शन की राशि, मोबाइल फोन और बाइक लूट ली

मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। एसपी सचिन शर्मा के निर्देश पर पुलिस टीम ने जांच शुरू की। कार्रवाई के दौरान परविंद उर्फ प्रवीण जमरा (25), निवासी खोजकुआं और गोरैलाल डोडवे (33), निवासी सातउमरी, थाना

और फरार हो गए। शिकायत के बाद पुलिस ने टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की। गिरफ्तार दोनों आरोपियों से पृछ्ठाछ में पुलिस को अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी मिली है। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश के साथ लूट की पूरी रकम और अन्य सामान की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

गंधवानी को गिरफ्तार किया गया। पृछ्ठाछ में दोनों ने अन्य साथियों के साथ वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने लूटी पल्सर, प्रयुक्त स्लेंडर और नकदी बरामद की। फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

दुर्गा पंडाल लगाने से पहले जमीन के नीचे की पाइपलाइन का पता होना है जरूरी

नपा की चेतावनी-पाइपलाइन, संपत्ति क्षतिग्रस्त हुई तो होगी वसूली

नरसिंहपुर। आगामी सार्वजनिक दुर्गा उत्सव को लेकर नगरपालिका परिषद नरसिंहपुर ने दुर्गा उत्सव समितियों और टेंट-पंडाल संचालकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। नगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि पंडाल लगाने के दौरान पाइप, खंभे या अन्य संरचना के लिए खुदाई करने से पहले भूमिगत जलप्रदाय पाइपलाइन और नगरपालिका की अन्य संपत्तियों की स्थिति की जानकारी लेना अनिवार्य होगा। नगरपालिका के अनुसार, पंडाल निर्माण के दौरान खुदाई से यदि जलप्रदाय लाइन अथवा अन्य नगरपालिका संपत्ति क्षतिग्रस्त होती है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित टेंट मालिक या संचालक की होगी। पाइपलाइन या संपत्ति की मरम्मत में आने वाला पूरा खर्च भी संबंधित से वसूल किया जाएगा। इसके अलावा पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से शहर में जलापूर्ति बाधित होती है और नागरिकों को परेशानी होती है तो इसकी जिम्मेदारी भी संबंधित की निर्धारित की जाएगी। नगरपालिका परिषद ने सभी समितियों और टेंट संचालकों को निर्देश दिए हैं कि पंडाल लगाने से पहले जलप्रदाय शाखा के कर्मचारियों से भूमिगत पाइपलाइनों की स्थिति की जानकारी प्राप्त करें। इसके बाद ही खुदाई या अन्य निर्माण कार्य किया जाए। नगरपालिका ने अपील की है कि उत्सव के दौरान शहर की जलप्रदाय व्यवस्था को नुकसान न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि धार्मिक आयोजन के साथ नागरिक सुविधाएं भी सुचारु बनी रहें।

विरोध करने पर 18 दिन तक घर में कैद रखकर मारपीट, आरोपी गिरफ्तार

शादी का झांसा देकर युवती को आंध्रप्रदेश ले गया, 6 लाख रुपए में बेचने का आरोप

धामनोद। दोपहर मेट्रो

शादी कराने का झांसा देकर युवती को आंध्रप्रदेश ले जाकर कथित तौर पर छह लाख रुपए में बेचने और जबरन शादी के लिए दबाव बनाने के मामले में फरार चल रहे तीन हजार रुपए के इनामी आरोपी को धामनोद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रोहित पिता राकेश गंगारे, निवासी साला, थाना धामनोद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने शिकायत में बताया कि उसकी बहन के परिचित रोहित ने शादी कराने के नाम पर 50 हजार रुपए देने का झांसा दिया था। इसके बाद 10 दिसंबर 2021 को वह उसे गुंदूर, आंध्रप्रदेश ले गया। वहां 14 दिसंबर को उसकी शादी मांगीलाल से करा दी गई। पीड़िता के अनुसार, बाद में पति ने बताया कि रोहित ने उसे छह लाख रुपए में बेचकर शादी कराई थी। आरोप है कि कुछ समय बाद रोहित ने पीड़िता पर दूसरी शादी करने का दबाव बनाया। विरोध करने पर उसे इंदौर से खलघाट लाकर जबरन शादी के लिए दबाव



डाला गया। मना करने पर करीब 18 दिनों तक घर में कथित तौर पर कैद रखकर मारपीट की गई, जिससे उसके दोनों हाथों में चोटें आईं। मामले में पुलिस ने मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया। कार्रवाई एसपी धार सचिन शर्मा के निर्देश और वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी संतोष सिंह यादव के नेतृत्व में की गई।

2021 से फरार था आरोपी

पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी रोहित गंगारे की तलाश शुरू की थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था, जिस पर तीन हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी की गतिविधियों की जानकारी जुटाई। सूचना के

मतदाता सूची में गड़बड़ी के आरोपों पर कांग्रेस का प्रदर्शन, सीईसी के इस्तीफे की मांग की

निंदा प्रस्ताव पारित कर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, पात्र मतदाताओं के नाम दोबारा जोड़ने की मांग

धार। दोपहर मेट्रो

मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं और मताधिकार से जुड़े मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कमल सिंह पटेल ने की। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए उनके खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया और विरोध प्रदर्शन किया। ज्ञानेश कुमार वर्तमान में भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष स्वतंत्र जोशी ने कहा कि निर्वाचन आयोग की भूमिका निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने मतदाता सूची से पात्र नागरिकों के नाम हटाए जाने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे मतदान के अधिकार से जुड़ा विषय बताया। विधायक प्रताप



ग्रेवाल ने भी मताधिकार की रक्षा और मतदाता सूची में पारदर्शिता की मांग रखी। कांग्रेस नेताओं ने स्टूक्रे के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने का दावा करते हुए स्वतंत्र और पारदर्शी जांच की मांग की। हालांकि, पार्टी द्वारा बैठक में बताए गए 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जाने के आंकड़े की स्वतंत्र पुष्टि इस रिपोर्ट के लिए नहीं की गई है। बैठक के बाद कार्यकर्ताओं ने

सांकेतिक प्रदर्शन किया। एक कार्यकर्ता ने ज्ञानेश कुमार का मुखौटा पहनकर हथकड़ी लगाकर प्रदर्शन किया और इस्तीफे की मांग को लेकर नारे लगाए। इसके बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। ज्ञापन में कथित अनियमितताओं की जांच, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की गई।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन



नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी नरसिंहपुर ने जिला मुख्यालय में वृहद धरना-प्रदर्शन किया। ज्ञानेश कुमार वर्तमान में मुख्य चुनाव आयुक्त हैं। कार्यक्रम में जिलेभर से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक) सहित चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाते हुए पारदर्शिता और पात्र मतदाताओं के मताधिकार की

सुरक्षा की मांग की। नेताओं ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए निर्वाचन संस्थाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता जरूरी है। देश के अन्य हिस्सों में भी कांग्रेस द्वारा स्ट्रक और निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर प्रदर्शन किए जा रहे हैं। धरने को जिला कांग्रेस प्रभारी आलोक मिश्रा, जिला अध्यक्ष सुनीता पटेल, पूर्व विधायक संजय शर्मा, सुनील जायसवाल, मैथिली शरण तिवारी, नरेंद्र राजवत, संगठन महामंत्री दीवान शैलेंद्र सिंह, लाखन सिंह पटेल और मोना कौरव सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

पते की तलाश में नहीं मिला नर्मदा नर्सिंग कॉलेज, संचालन पर सवाल

कोतमा। दोपहर मेट्रो
क्षेत्र में नर्सिंग शिक्षा संस्थानों के संचालन और उनके भौतिक सत्यापन को लेकर पहले से उठते रहे सवालों के बीच मां नर्मदा नर्सिंग कॉलेज को लेकर नया मामला सामने आया है। वार्ड क्रमांक 10 में कॉलेज का जो पता बताया गया है, वहां तलाश करने पर मौके पर कॉलेज का परिसर नहीं मिला। इससे संस्था के वास्तविक संचालन और पते को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अब यह जानना जरूरी है कि यदि कॉलेज वर्तमान में संचालित है तो उसका वास्तविक शैक्षणिक परिसर कहाँ है, वहां कितने विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और कॉलेज के नाम से कौन-कौन सी शैक्षणिक

गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मामले की स्थिति स्पष्ट करने के लिए संबंधित विभाग द्वारा स्थल का भौतिक सत्यापन किए जाने की जरूरत बताई जा रही है। यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अप्रैल 2024 में मां नर्मदा नर्सिंग कॉलेज, कोतमा के संबंध में जांच कार्रवाई का उल्लेख सामने आया था। उस दौरान कॉलेज के संचालन और दस्तावेजों को लेकर जांच किए जाने की जानकारी दी गई थी। अब कॉलेज का परिसर बताए गए पते पर नहीं मिलने से पुराने सवाल फिर चर्चा में हैं। विभागीय जांच के बाद ही संस्था की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।



संकट में किसान: महाराष्ट्र में 1972 के बाद सबसे बड़ा सूखा

» 80 फीसदी फसलें हुई तबाह जलाशयों में बचा 12 फीसदी पानी

मुंबई। आसमान से देखने पर मराठवाड़ा भले ही हरा-भरा दिख रहा है लेकिन हकीकत जमीन पर उतरते ही तस्वीर बदल जाती है। खेतों में खड़ी सोयाबीन पीली पड़ चुकी है, कपास की पैदावार रुक गई है, अरहर मुरझा गई है और गन्ना अपनी सामान्य उचाई तक पहुंचने से पहले ही सूखने लगा है। महाराष्ट्र में मराठवाड़ा के तीन जिले लातूर, बीड और धाराशिव के आसपास के इलाकों में बारिश की बेरुखी ने खरीफ की उम्मीदों को झुलसा दिया है। 80 फीसदी फसलें सूख चुकी हैं। जाहिर है कि किसान बड़े संकट में हैं। झलातूर, बीड, परभणी और धाराशिव सबसे ज्यादा सूखे से प्रभावित जिले हैं जहां जून से सितंबर के दौरान सामान्य बारिश 679.5 के मुकाबले सिर्फ 424.5 मिलीमीटर हुई। सूखे का यह संकट सिर्फ खेत तक सीमित नहीं है। इसका असर पशुओं के चारे, ग्रामीण मजदूरी, घरेलू आमदनी और अगली फसल के लिए जरूरी पूंजी पर दिखाई देने लगा है।लातूर जिले के देवकरा गांव से पीड़ादायक तस्वीर सामने आई है जहां पहली बार किसी किसान ने आत्महत्या की। दो एकड़ जमीन के काश्तकार तुकाराम गुट्टे ने आत्महत्या कर ली। कीनगांव से आगे बढ़ने पर खेतों में खड़ी फसल की जगह सूखा दिखाई देता है। सोयाबीन, कपास, अरहर की फसल सूखती दिख रही है। हिंगणगांव के किसान तुकाराम अंबाजी 40 एकड़ के किसान हैं। 30 से 35 हजार रुपए प्रति एकड़ खर्च कर चुके हैं। कहते हैं, लगता है खर्च भी नहीं निकलेगा।

न्यूज विंडो

सारण में देखते-देखते पानी में डूब गया 2 मंजिला मकान



छपरा(सारण)। सारण जिले के बाघाकोल क्षेत्र के हैजलपुर में तटबंध टूटने के बाद बाढ़ ने तबाही मचा दी। पानी के तेज बहाव में देखते ही देखते दो मंजिला मकान जलमग्न होकर समा गया। मकान हैजलपुर निवासी सुनील सिंह का बताया जा रहा है। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।तटबंध टूटने के बाद पानी तेजी से गांव की ओर फैल गया। इसकी चपेट में आने से कई एकड़ में लगी फसल बर्बाद हो गई। पानी का दबाव बढ़ने पर सुनील सिंह के दो मंजिला मकान का बड़ा हिस्सा इसकी जद में आ गया। कुछ ही देर में पूरा मकान पानी में समा गया।

डबल मर्डर: जमीन विवाद में मंदिर के दो सेवादारों की हत्या कर जलाए शव

शाहजहांपुर। खुदागंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सूथा गांव में गुरुवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब गांव स्थित प्राचीन मंदिर परिसर में दो सेवादारों की हत्या कर दी गई। इसके बाद दोनों सेवादारों के शवों को जला भी दिया।मृतकों की पहचान मंदिर के वृद्ध सेवादार गोपाल दास और बाबा बिहारी दास के रूप में हुई है। गुरुवार सुबह जब ग्रामीण रोज की तरह मंदिर में पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए पहुंचे, तो मामले का खुलासा हुआ।इस घटना के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय पुलिस को दी गई।दोहरे हत्याकांड की खबर मिलते ही पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

मामले की जानकारी देते हुए एसपी सौरभ दीक्षित ने बताया कि शुरुआती जांच में मंदिर की जमीन को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद सामने आ रहा है। प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि भूमि पर अवैध कब्जे की नीयत से इस वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस को गांव के ही तीन स्थानीय लोगों पर गंभीर शक है, जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

नीट पीजी 2026: उत्तर कुंजी का इंतजार खत्म, आज से कर सकते हैं डाउनलोड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड यानी एनबीईएमएस ने नीट पीजी 2026 का परिणाम 24 सितंबर 2026 को घोषित किया था। अब परीक्षा में शामिल उम्मीदवार अपना व्यक्तिगत अंकपत्र डाउनलोड कर सकेगे। एनबीईएमएस के अनुसार, अंकपत्र आज या उसके बाद आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगा। उम्मीदवार अपना व्यक्तिगत नीट पीजी 2026 अंकपत्र एनबीईएमएस की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं। यह अंकपत्र जारी होने की तारीख से 6 महीने तक वेबसाइट पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध रहेगा। इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे समय रहते अपना अंकपत्र डाउनलोड करके सुरक्षित रख लें।नीट पीजी 2026 में शामिल प्रत्येक उम्मीदवार अपनी व्यक्तिगत उत्तर कुंजी देख सकेगा। इसके लिए उम्मीदवार को एनबीईएमएस की वेबसाइट पर अपने आवेदक प्रवेश खाते के जरिए प्रवेश करना होगा। उत्तर कुंजी में उम्मीदवार के प्रश्नपत्र समूह के अनुसार सवालों, दिए गए जवाब और सही उत्तर से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होगी।

सपा का मास्टर स्ट्रोक या फिर होगी क्रॉस वोटिंग की शिकार

यूपी रास चुनाव: सपा के तीसरे दांव से भाजपा की बट सकती है मुश्किलें

नई दिल्ली/लखनऊ, एजेंसी

सपा की ओर से उद्योगपति धनराज नथवानी के दस्तक देने से राज्यसभा चुनाव का पूरा समीकरण बदलता दिख रहा है। सपा इसे अपना मास्टर स्ट्रोक मान रही है और विरोधी उस पर सवाल खड़े कर रहे हैं। सपा ने तीसरे प्रत्याशी को लेकर अभी पर्दादारी बना रखी है। ऐसे में भाजपा के लिए अपना आठवें प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित करने के लिए अपने एनडीए खेमे की एकजुटता बनाए रखनी होगी।

सपा की नजर भाजपा के सहयोगी दलों के उन विधायकों पर है, जो किसी न किसी रूप में सपा से पहले जुड़े रहें हैं और पीडीए से आते हैं। उत्तर प्रदेश के राज्यसभा चुनाव के पिछले इतिहास के आधार पर आशंका जताई जा रही है कि अगर 11 वां प्रत्याशी मैदान में आया तो वोटिंग में कई माननीय अपनी अंतरात्मा के आधार पर इधर- उधर हो सकते हैं।

इन चुनावों में वोटों के आवंटन, दूसरी वरीयता के वोटों के प्रबंधन व धनबल के असर से नतीजे अप्रत्याशित आ सकते हैं। यानी जिसकी जीत की उम्मीद कम हो , उसकी जीत सुनिश्चित हो जाती है।



किस ओर से होगी क्रॉसवोटिंग

एनडीए में शामिल दलों के विधायकों पर है। इनका समर्थन जुटाना धनराज नथवानी की क्षमता पर निर्भर करेगा। भाजपा व सपा दोनों में जिन विधायकों को अपने टिकट कटने का खतरा महसूस होगा वह इधर उधर हो सकते हैं। हालांकि फिलहाल तो दोनों भाजपा व सपा दोनों को अपने विधायकों को साथ बनाए रखने की चुनौती है। एनडीए गठबंधन में सुभासपा, निषाद पार्टी व राष्ट्रीय लोकदल में ऐसे कई विधायक हैं जो किसी न किसी रूप में सपा से जुड़े रहे हैं। सुभासपा के तीन विधायक व रालोद के दो मुस्लिम विधायकों को साथ लाने का जिम्मा सपा के पश्चिमी युपी के दो नेताओं को दिया गया है। बताया जा रहा है कि सपा को उम्मीद है कि धनराज तीसरे प्रत्याशी को जिताने के लिए अतिरिक्त मेहनत करेंगे। पिछले राज्य सभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की ओर से उद्योगपति संजय सेठ इसी कारण जीत पाए क्योंकि सपा विधायकों में क्रॉसवोटिंग हो गई।

विरोधियों के निशाने पर आई सपा

सपा ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के ग्रुप प्रेसिडेंट धनराज धनराज नथवानी पर दांव लगाकर सपा ने भाजपा के सामने नई मुश्किल तो खड़ी कर दी है। पर खुद वह विरोधियों के निशाने पर आ गई है।

2024 में सपा के कुछ विधायकों ने क्रॉसवोटिंग की थी। इस बार सपा की निगाह

राहुल गांधी बालाघाट में मृत बच्चों के परिवारों से आज मिलेंगे बीजेपी बोली- यह पॉलिटिकल स्टंट

बालाघाट, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बालाघाट में बीमारियों की वजह से 32 बैगा आदिवासी बच्चों की मौत का मामला अब सियासी मुद्दा बन गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज बिरसा ब्लॉक के जंगला गांव पहुंच रहे हैं। वे उन 4 बच्चों के परिजन से मुलाकात करेंगे जिनके नाम प्रशासन के ऑफिशियल डेथ रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं। उधर, बीजेपी ने इस दौरे को राजनीतिक माइलेज

लेने की कवायद बताया है।

बालाघाट में बच्चों की मौतों का सिलसिला मई में 3 साल की रूही परते की जान जाने के बाद शुरू हुआ था। मामला बढ़ने पर सरकार ने प्रभावित इलाकों में हेल्थ कैंप और स्क्रीनिंग शुरू की। सरकार का दावा है कि अब स्थिति नियंत्रण में है। इसके बाद मौतों की संख्या में बड़ा अंतर सामने आया। दैनिक भास्कर की पिछली पड़ताल में भी सरकारी आंकड़ों से ज्यादा मौतों की जानकारी सामने आई थी।



आरएसएस ने देशभर में एनआरसी कराने की मांग दोहराई कहा- वोटर लिस्ट की जांच हो, कौन नागरिक जानना जरूरी

नई दिल्ली। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और जनगणना को लेकर चल रही चर्चा के बीच आरएसएस ने देशभर में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स कराने की मांग दोहराई है। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा- यह साफ होना चाहिए कि कौन भारतीय नागरिक है और कौन नहीं।

आंबेकर ने कहा कि वोटर लिस्ट में गलत तरीके से शामिल गैर-नागरिकों की पहचान जरूरी है। उन्होंने सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट के तहत पात्र लोगों को नागरिकता देने और उनकी पहचान NRC के जरिए करने की बात भी कही।आंबेकर ने जनसंख्या में बदलाव को 1947 के



विभाजन से जोड़ते हुए कहा कि जनसंख्या संतुलन देश की सांस्कृतिक पहचान, एकता और सुरक्षा से जुड़ा है।

उन्होंने राजनीतिक दलों से संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों को राजनीतिक फायदे के लिए

इस्तेमाल नहीं करने की अपील की। साथ ही कहा कि ऐसे मामलों को केवल 'सेक्युलर बनाम सांप्रदायिक' बहस के बजाय देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के नजरिए से देखा जाना चाहिए।

NRC की प्रक्रिया पर आपत्ति हो तो कानूनी रास्ता: आंबेकर ने कहा कि अगर किसी को हट्टे की प्रक्रिया पर आपत्ति है तो अदालत समेत कानूनी रास्ते खुले हैं। सिर्फ राजनीतिक कारणों से किसी गैर-नागरिक को भारतीय नागरिक मानना सही नहीं होगा।उन्होंने कहा- पड़ोसी देशों से भारत आए हुए लोग CAA के तहत नागरिकता के पात्र हैं, उन्हें नागरिकता मिलनी चाहिए।

मेट्रो एंकर

सहारनपुर की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने पिंकी हत्याकांड में पति आशीष को दी उम्रकैद की सजा

प्रेग्नेंट पत्नी की हत्या, कोर्ट बोला- ये व्यक्ति नहीं, विश्वास की हत्या

सहारनपुर, एजेंसी

आठ साल पुराने गंगोह के मोहल्ला मखदूम जहां में नव विवाहित पिंकी को जान से मारने के आरोपित पति आशीष को फास्ट ट्रैक कोर्ट संख्या एक के अपर सत्र न्यायाधीश श्रेय शुक्ला ने हत्या का दोषी माना है।फैसला सुनाते हुए अदालत ने आशीष को आजीवन कारावास और एक लाख रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सतीश कुमार सैनी ने बताया कि मामले की शिकायत पक्की गढ़ी जिला शामली के संजय ने 28 मई 2018 को थाना गंगोह में दर्ज कराई थी।

कहा गया था कि संजय की बेटी पिंकी का विवाह आशीष पुत्र नरेश के साथ तीन नवंबर 2017 को हुआ था। जिसमें काफी दान देहज दिया गया था। लेकिन पिंकी के ससुराल वाले देहज से खुश नहीं थे, और देहज की मांग करते थे। इसी के चलते पिंकी को प्रताड़ित किया जाता था। 28 मई की सुबह पिंकी की ससुराल के पड़ोस से फोन पर सूचना मिली कि पिंकी कि गला रेत कर हत्या कर दी गई।

एक लाख का अर्थदंड भी लगा

इस मामले में पुलिस ने चार नवंबर 2018 और 13 फरवरी 2019 को आशीष उसकी माता रामो, भाई सिकंदर और भाभी बबीता के खिलाफ देहज उत्पीड़न व देहज हत्या जैसे की धारा में चार्जशीट पेश की। वहीं, आशीष का कथन था कि रात के समय उसके घर चोर घुसे थे जिन्होंने पिंकी व आशीष दोनों पर हमला किया।

दोनों पक्षों की बहस सुनने तथा पत्रावली पर आए साक्ष्य के आधार पर अदालत ने पाया कि इस मामले में आशीष पिंकी की हत्या का दोषी है। यह हत्या देहज के कारण भले ही ना हुई हो लेकिन गर्भवती पिंकी को आशीष ने उस्तरे के सात बार कर मारा। स्वयं की भी जान लेने की कोशिश की।अदालत ने हत्या के लिए आशीष को उम्र कैद तथा जुर्माने के रूप में एक लाख के अर्थदंड की सजा सुनाई। इस मामले में अदालत ने आशीष की माता रामो, भाई सिकंदर और भाभी बबीता को आरोप सिद्ध न होने के कारण संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।आशीष को हत्या के मामले में सजा सुनाते वक्त न्यायाधीश श्रेय शुक्ला ने अपने



आदेश में लिखा कि एक जीवन का अंत केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं है। वह उसके परिवार के संबंधों, आशाओं और भविष्य पर भी अमिट प्रभाव छोड़ता है। आशीष ने अपनी जीवन संगिनी की हत्या उस समय की, जब वह गर्भवती थी जिस व्यक्ति के साथ जीवन की यात्रा साझा करने का संकल्प लिया गया था। उसी के हथों उसके जीवन का अंत कर देना केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि विश्वास के उस बंधन की भी निर्मम हत्या है, जिस पर वैवाहिक संबंध आधारित होते हैं।